www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:21 बजे
सूर्यास्त शाम 5:41 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-128 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रुपये • सोमवार 12 जनवरी 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज़ ब्रीफ

ईरान की आजादी के लिए अमेरिका तैयार

ईरान | ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और गहरा गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी है। इस पर अंतिम फैसला अभी लिया जाना बाकी है। अगर ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बरतती है तो ट्रंप सैन्य कदम उठाने पर विचार कर सकते हैं। ट्रंप ने लिखा कि ईरान आजादी की ओर देख रहा है और अमेरिका मदद के लिए तैयार है।

अभिनेता प्रशांत तमांग का निधन

दिल्ली | 'इंडियन आइडल 3' के विजेता और अभिनेता प्रशांत तमांग का 43 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली में निधन हो गया। वह अपने जनकपुरी स्थित आवास पर थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनके निधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया।

मतदाता सूची पर अखिलेश के सवाल

लखनऊ | सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा और पंचायत चुनावों की पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद मतदाता संख्या में विरोधाभासी आँकड़े सामने आए हैं, जो एक साथ सही नहीं हो सकते।

कांग्रेस पूर्व विधायक राहुल गिरफ्तार

पलक्कड़ | केरल के पलक्कड़ से कांग्रेस के पूर्व विधायक राहुल मामकूटथिल को बलात्कार और शोषण के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। एक महिला की शिकायत पर उन्हें हिरासत में लेकर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पाक में गैस सिलेंडर विस्फोट, 8 मरे

इस्लामाबाद | इस्लामाबाद में एक घर में गैस सिलेंडर फटने से आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक नवविवाहित जोड़ा भी है। घटना शादी समारोह के दौरान हुई। विस्फोट में कई घर क्षतिग्रस्त हुए और अनेक लोग घायल हुए हैं।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

हाथ में डमरू, शौर्य यात्रा में 108 घोड़े
पीएम मोदी ने शौर्य यात्रा में लिया भाग

एजेंसी | सोमनाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के सोमनाथ में आयोजित 'शौर्य यात्रा' में भाग लिया। यह यात्रा सोमनाथ मंदिर पर वर्ष 1026 में हुए पहले ऐतिहासिक आक्रमण के बाद से एक हजार वर्षों तक अटूट आस्था, साहस और पुनर्निर्माण की परंपरा को स्मरण करने के लिए आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में स्वतंत्रता के बाद अहम भूमिका निभाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मंदिर की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले असंख्य वीर योद्धाओं को भी नमन किया। शौर्य यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री फूलों से सजे खुले वाहन में नजर आए, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उनके साथ मौजूद रहे। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने शंखनाद किया और मार्ग के दोनों ओर खड़े श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया।

यह शौर्य यात्रा 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य साहस, बलिदान और उस अदम्य भावना को उजागर करना है, जिसने सदियों तक विनाश और पुनर्निर्माण के दौर से गुजरने के बावजूद सोमनाथ को जीवित रखा। यात्रा से पहले प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और कार्यक्रम में मौजूद ऋषिकुमारों तथा कलाकारों से संवाद भी किया। इस आयोजन की खास बात गुजरात पुलिस के माउंटेड यूनिट के 108 घोड़ों की सहभागिता रही। ये घोड़े शौर्य यात्रा का प्रमुख आकर्षण बने। अधिकारियों के अनुसार, इस दस्ते में स्थानीय रूप से पाले गए काठियावाड़ी और मारवाड़ी नस्ल के घोड़े शामिल थे, जिन्हें विशेष रूप से कई महीनों तक

इस आयोजन के लिए प्रशिक्षित किया गया था। शौर्य यात्रा में संत-महात्मा, धर्मगुरु और बड़ी संख्या में बच्चे भी प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उपस्थित रहे। गुजरात के खेड़ा जिले स्थित ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भी इस भव्य यात्रा में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने शंख और डमरू वादन के साथ घोड़ों से पहले चलकर यात्रा का नेतृत्व किया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उल्लास देखने को मिला। शौर्य यात्रा के दौरान पूरे सोमनाथ नगर को भव्य रूप से सजाया गया था। सड़कों के किनारे ऐतिहासिक प्रसंगों और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से जुड़ी झांकियां लगाई गई थीं, जिन्होंने श्रद्धालुओं को भारत के गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराया। जगह-जगह लोक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य और वादन प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम में लोकसंस्कृति की झलक भी देखने को मिली। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक सुबह से ही सड़कों पर एकत्र हो गए थे। लोगों ने हाथों में तिरंगे और धार्मिक ध्वज लेकर यात्रा का अभिनंदन किया। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और प्रशासन द्वारा पूरे मार्ग पर निगरानी रखी जा रही थी। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री ने सोमनाथ की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह स्थल भारत की आत्मा, आस्था और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से देश की विरासत को जानने, समझने और उस पर गर्व करने का आह्वान किया। शौर्य यात्रा ने न केवल इतिहास की स्मृतियों को जीवंत किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान का संदेश भी दिया।

रेस्टोरेंट की दीवार से जाकर टकराई कार
नशे में धुत था युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर

एजेंसी | बेंगलुरु

बेंगलुरु के इंदिरानगर इलाके में गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब नशे में धुत एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की तेज रफ्तार कार एक रेस्टोरेंट की दीवार से जा टकराई। इस घटना में फुटपाथ पर खड़े कम से कम छह लोगों की जान बाल-बाल बच गई। हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ, जब 42 वर्षीय आरोपी पार्टी से लौटते समय अकेले कार चला रहा था। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार के कारण आरोपी साइड लेन से निकलकर मुख्य सड़क की ओर मुड़ने के बजाय सीधे आगे बढ़ गया। उसकी कार डिवाइडर कूदते हुए रास्ते में लगे गमलों को तोड़ती हुई बारबेक्यू नेशन रेस्टोरेंट की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाहर खड़े लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा गया कि कार सीधी रेस्टोरेंट की ओर बढ़ती है, जिसके बाद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आते हैं। हादसे में एक युवक घायल हो गया, जबकि दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने आरोपी की पहचान डोमलूर निवासी डेरिक टोनी के रूप में की है, जो एक निजी तकनीकी कंपनी में कार्यरत है। जांच में पुष्टि हुई कि वह शराब के नशे में वाहन चला रहा था।

हिमंत बिस्वा को संविधान की समझ नहीं है और उनके दिमाग में ट्यूबलाइट जल रही: ओवैसी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के "भारत का प्रधानमंत्री हमेशा हिंदू ही बनेगा" वाले बयान को लेकर देश की राजनीति में तीखी बहस छिड़ गई है। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा को संविधान की समझ नहीं है और उनके "दिमाग में ट्यूबलाइट जल रही है।" ओवैसी ने कहा कि हिमंत बिस्वा

सरमा ने संविधान पर शपथ ली है, लेकिन शायद उन्हें यह नहीं पता कि उसमें क्या लिखा है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए भारतीय संविधान में हर नागरिक को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी संवैधानिक पद तक पहुंचने का अधिकार है, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। ओवैसी ने आरोप लगाया कि इस तरह की सोच पाकिस्तान जैसे नजरिए से मेल खाती है, जहां एक ही समुदाय को शीर्ष पदों तक सीमित रखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान इसकी विविधता है और यह देश किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं है। यहां आस्तिक, नास्तिक और हर वर्ग के लोगों को समान अधिकार प्राप्त हैं।

उत्तर भारत में कंपकंपाती ठंड, पारा शून्य से नीचे

ये तस्वीर ऑस्ट्रेलिया की वियाना की है, यहां इनदिनों खूब बर्फबारी हो रही है(बाएं)। वहीं दूसरी तस्वीर लुधियाना की है, जिसमें इस सर्द मौसम में भी किसान अपने सिर पर लकड़ियों का गठ्ठर लेकर जा रहा है, जिससे वो आग सेंककर सर्दी की तपिश कम करना चाहता है।

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। कई राज्यों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। ठंडी हवाओं और घने कोहरे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुबह के समय बेहद कम दृश्यता के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात पर भी असर देखने को मिल रहा है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और इंडो-गंगा के मैदानी क्षेत्रों में सुबह के समय घना से अत्यंत घना कोहरा छाया रहा। कई स्थानों पर दृश्यता बेहद सीमित रही, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खराब दृश्यता के चलते कुछ इलाकों में सड़क हादसों की खबरें भी सामने आई हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 जनवरी तक कुछ स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा बना रह सकता है। वहीं 17 जनवरी तक छिटपुट इलाकों में कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है। राजस्थान में 11 जनवरी तक अत्यंत घना कोहरा और 13 जनवरी तक घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। इसके अलावा जम्मू क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, उत्तर मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भी सुबह के समय कोहरा परेशानी बढ़ा सकता है।

• शीतलहर और ठंडे दिन का असर...

मौसम विभाग के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, बिहार और पूर्वी व मध्य भारत के कई हिस्सों में शीतलहर और ठंडे दिन जैसी स्थिति बनी हुई है। राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में गंभीर शीतलहर दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, ओडिशा और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में भी ठंड का असर साफ तौर पर देखा जा रहा है।

• कई शहरों में रिकॉर्ड के करीब तापमान...

पंजाब के होशियारपुर में न्यूनतम तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा में नारनौल 3.5, हिसार 4, करनाल 4.4, भिवानी 4.5, रोहतक 5 और अंबाला में 6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से काफी कम है और इस सर्दी का अब तक का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। दौसा, अलवर, श्रीगंगानगर, नागौर, फतेहपुर, पिलानी और जैसलमेर में जबरदस्त ठंड दर्ज की गई।

• कश्मीर में चिल्ला-ए-कलां का असर तेज...

कश्मीर घाटी में ठंड और अधिक तीव्र हो गई है। शोपियां में न्यूनतम तापमान माइनस 8.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। चिल्ला-ए-कलां के दौरान मौसम साफ रहने से झीलों और जलाशयों की सतह पर बर्फ जमने लगी है।

• आने वाले दिनों का मौसम...

मौसम विभाग का कहना है कि अगले सात दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है। ऐसे में ठंड से फिलहाल राहत मिलने के आसार कम हैं। दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्व सीजेआई के नाम पर डिजिटल अरेस्ट बुजुर्ग महिला से 3.71 करोड़ की ठगी
फर्जी ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई के जरिए दो महीने तक डराया

एजेंसी | मुंबई

मुंबई में साइबर ठगों ने पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी.वाई. चंद्रचूड़ के नाम का दुरुपयोग कर 68 वर्षीय महिला से 3.71 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने खुद को कोलाबा पुलिस स्टेशन और केंद्रीय एजेंसियों से जुड़ा अधिकारी बताते हुए महिला को "डिजिटल अरेस्ट" में रखने का नाटक किया और फर्जी ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई कराई।पीड़िता अंधेरी पश्चिम की रहने वाली है। 18 अगस्त को उसे एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हो रहा है। महिला को धमकाया गया कि अगर उसने किसी को जानकारी दी तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उससे उसके बैंक और निजी जानकारियां हासिल की गईं और कहा गया कि अब मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी करेगी। आरोपियों ने महिला को लगातार मानसिक दबाव में रखा। उससे उसके जीवन से जुड़ा विवरण लिखवाया गया और भरोसा दिलाया गया कि उसकी बेगुनाही साबित कर जमानत दिलाई जाएगी। इसी दौरान वीडियो कॉल पर एक व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के रूप में पेश किया गया, जिसने खुद को जस्टिस चंद्रचूड़ बताया और निवेश से जुड़े दस्तावेज मांगे। अगस्त से अक्टूबर के बीच महिला ने अलग-अलग खातों में करीब 3.71 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब अचानक कॉल आना बंद हो गया, तब उसे ठगी का अहसास हुआ और उसने साइबर पुलिस से संपर्क किया। जांच में सामने आया कि रकम कई म्यूल खातों में भेजी गई थी। इनमें से एक खाता फर्जी कपड़ा कंपनी के नाम पर खोला गया था, जिसमें 1.71 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए। साइबर पुलिस ने इस खाते से जुड़े आरोपी को गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया है। आरोपी को खाते के इस्तेमाल के बदले 6.40 लाख रुपये कमीशन मिला था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि इस रैकेट के दो मास्टरमाइंड विदेश में बैठे हैं, जिनमें से एक इमिग्रेशन और वीजा सर्विस के कारोबार से जुड़ा है।

पेज 1 एंकर स्टोरी

मध्य प्रदेश: 3.5 करोड़ की वित्तीय अनियमितता, 1.75 करोड़ की खरीद पर सवाल

गौमूत्र-गोबर आधारित कैंसर शोध परियोजना में गड़बड़ी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित और कैंसर के इलाज में गोबर, गौमूत्र व दूध के उपयोग पर आधारित एक शोध परियोजना अब गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के घेरे में आ गई है। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में संचालित इस परियोजना को लेकर सरकारी धन के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मामले की जांच के आदेश दिए। इसके तहत अतिरिक्त कलेक्टर आरएस मरावी की अगुवाई में दो सदस्यीय जांच समिति गठित

की गई। समिति की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि शोध के लिए आवंटित राशि का उपयोग कई ऐसे मदों में किया गया, जिनका परियोजना से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। अतिरिक्त कलेक्टर मरावी के मुताबिक, दस्तावेजों की शुरुआती जांच में लगभग तीन लाख रुपये हवाई यात्राओं पर खर्च किए जाने की बात सामने आई है, जबकि इन यात्राओं को शोध से जोड़ने वाले ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, परियोजना निधि से एक वाहन खरीदा गया और करीब 15 लाख रुपये वाहन की मरम्मत, ईंधन और अन्य खर्चों पर खर्च किए गए। बताया गया है कि यह तथाकथित 'पंचगव्य योजना' वर्ष 2011 में शुरू की गई थी। राज्य सरकार ने इस योजना के तहत गोबर, गौमूत्र और दूध के माध्यम से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार पर शोध के लिए 3.5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। हालांकि, जांच के दौरान अब तक इस शोध से जुड़े किसी ठोस और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नतीजे सामने नहीं आए हैं। जांच समिति की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि करीब 1.75 करोड़ रुपये कच्चे माल और मशीनरी की खरीद पर खर्च किए गए, लेकिन इनकी खरीद बाजार मूल्य से कहीं अधिक दरों पर की गई। इसके अलावा, शोध फंड से लगभग 15 लाख रुपये फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर तथा करीब पांच लाख रुपये अन्य मदों में खर्च किए जाने की जानकारी सामने आई है। मरावी ने बताया कि जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी गई है और आगे की कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर तय की जाएगी। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति मनदीप शर्मा ने कहा है कि यह शोध कार्यक्रम वर्ष 2018 में समाप्त हो चुका था और उस समय तकनीकी व वित्तीय रिकॉर्ड को स्वीकृति दी गई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय अब परियोजना से जुड़े सभी दस्तावेजों की दोबारा समीक्षा कर रहा है और जांच पूरी होने के बाद मीडिया को आधिकारिक जानकारी दी जाएगी। पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह परियोजना अब पारदर्शिता, जवाबदेही और सरकारी धन के उपयोग को लेकर कई अहम सवाल खड़े कर रही है।

न्यूजीलैंड में एक बार फिर नगर कीर्तन रोका

एजेंसी | टौरंगा

न्यूजीलैंड के टौरंगा शहर में एक बार फिर सिख समुदाय द्वारा निकाले जा रहे नगर कीर्तन को रोके जाने की घटना सामने आई है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैनर लहराए, जिन पर लिखा था-यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं। नगर कीर्तन रोके जाने की इस घटना के बाद सिख समुदाय में भारी रोष देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले 21 दिसंबर 2025 को न्यूजीलैंड के दक्षिणी ऑकलैंड स्थित मनुरेवा इलाके में भी सिख समुदाय द्वारा सजाए गए नगर कीर्तन को स्थानीय माओरी समुदाय के एक समूह ने रास्ते में रोक दिया था। उस समय नगर कीर्तन गुरुद्वारे की ओर लौट रहा था, तभी कुछ लोगों ने रास्ता अवरुद्ध कर विरोध जताया। कुछ समय बाद प्रदर्शनकारी रास्ते से हट

गए और नगर कीर्तन सुरक्षित रूप से गुरुद्वारे की ओर रवाना हो गया। सिख नेताओं ने न्यूजीलैंड में नगर कीर्तन रोके जाने की घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए इसे सामाजिक और सामुदायिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा बताया है। अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने न्यूजीलैंड और भारत सरकार से अपील की है कि सिख समुदाय को अपने पारंपरिक धार्मिक पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में मनाने की पूरी सुविधा दी जाए। उन्होंने इस घटना को सिख समुदाय के साथ-साथ सामाजिक और सांप्रदायिक एकता के लिए भी एक बड़ी चुनौती करार दिया। ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स तथा भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले का संज्ञान लेने और उचित कदम उठाने की भी अपील की है।

मिशन प्रगति के जरिए युवाओं को भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार कर रही पंजाब सरकार : सीएम भगवंत मान

बठिंडा जिला पुस्तकालय में एसएसबी, पुलिस और सशस्त्र बलों की परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग व शारीरिक प्रशिक्षण शुरू

समर न्यूज | बठिंडा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को बठिंडा के जिला पुस्तकालय में आयोजित कार्यक्रम में मिशन प्रगति के तहत नामांकित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि युवा भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए पूरी तरह तैयार हों और वे नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने बताया कि यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी छात्रों को मुफ्त शैक्षणिक और शारीरिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है, ताकि आर्थिक संसाधनों की कमी उनके सपनों में बाधा न बने। मुख्यमंत्री ने इसे पंजाब के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मिशन प्रगति के पहले बैच में 40 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। अकादमिक कोचिंग के साथ-साथ विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से भी सक्षम बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण पंजाब पुलिस और सी-पाइट के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सी-पाइट ग्राउंड में दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को एसएसबी, पंजाब पुलिस, सीपीओ, सशस्त्र बलों सहित विभिन्न केंद्रीय और राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। सीएम मान ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जरूरी किताबें और अध्ययन सामग्री अक्सर छात्रों की

पहुंच से बाहर होती हैं। मिशन प्रगति के तहत विद्यार्थियों को पुस्तकालय की सदस्यता दी जाएगी और आवश्यक पुस्तकें मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मौजूदा संसाधनों और ढांचे का उपयोग कर संचालित किया जा रहा है, जिससे सरकारी धन की बचत भी हो रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मिशन प्रगति योजना केवल अकादमिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है। इसमें विद्यार्थियों के मानसिक, शारीरिक और नेतृत्व कौशल को भी मजबूत किया जा रहा है। प्रशिक्षण में सैनिक अनुशासन, टीम वर्क, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह विद्यार्थियों को केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने में भी मदद करता है। सीएम मान ने बताया कि इस योजना के तहत मार्गदर्शन देने वाले शिक्षक स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी हैं। इसका उद्देश्य युवाओं में नई सोच, नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मिशन प्रगति किसी को पीछे न रहने देने की भावना पर आधारित है। यह पहल युवाओं को सशक्त बनाकर पंजाब में शिक्षा क्रांति के जरिए समग्र विकास को गति देगी। मुख्यमंत्री ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज और राज्य की प्रगति का भी आधार है। उन्होंने यह संदेश दिया कि मिशन प्रगति योजना का उद्देश्य बच्चों को समान अवसर प्रदान करना, उनकी प्रतिभा को निखारना और उन्हें नेतृत्व क्षमता से लैस करना है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इस पहल से राज्य के युवा न केवल नौकरी पाने में सक्षम होंगे, बल्कि भविष्य में रोजगार देने वाले उद्यमी और नेतृत्वकर्ता भी बनेंगे। मिशन प्रगति का यह मॉडल "यूथ हेल्पिंग यूथ" पर आधारित है, जिसमें प्रशिक्षक अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देंगे।

2025 में विजिलेंस का रिश्वतखोरों पर शिकंजा

गजटेड और नॉन-गजटेड कर्मचारी शामिल

समर न्यूज | चंडीगढ़

18 गजटेड और 126 नॉन-गजटेड कर्मचारी समेत पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी भी शामिल

भ्रष्टाचार के समूल नाश और समाज में ईमानदारी बढ़ाने के लिए पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने वर्ष 2025 में सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान ब्यूरो ने 127 ट्रैप मामलों में 187 व्यक्तियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इनमें 18 गजटेड और 126 नॉन-गजटेड सरकारी कर्मचारी शामिल हैं, साथ ही 43 पुलिसकर्मी और 20 राजस्व विभाग के कर्मचारी भी गिरफ्तार किए गए। विजिलेंस ब्यूरो ने आरोपियों के खिलाफ 113 आपराधिक मामले दर्ज किए और 38 जांचें कीं। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अदालतों ने 34 मामलों में 63 आरोपियों को सजा सुनाई, जिनमें 3 गजटेड अधिकारी, 38 नॉन-गजटेड कर्मचारी और 22 निजी व्यक्ति शामिल हैं। आरोपियों को 1 से 5 वर्ष तक की जेल और 5,000 से 2,01,000 रुपये तक का जुर्माना भी दिया गया। ब्यूरो ने वर्ष 2025 के दौरान कुल 6158 शिकायतें प्राप्त कीं, जिनमें से 363 शिकायतें भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन के माध्यम से आईं।

कई प्रभावशाली व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया, जिनमें पूर्व मंत्री, विधायक, आईपीएस और पीसीएस अधिकारी शामिल हैं। विजिलेंस ब्यूरो ने जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सेमिनार और जनसभाओं का आयोजन कर जनता को भ्रष्टाचार के खिलाफ संवेदनशील किया।

अब घर बैठे ऑनलाइन लगवाएं हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य के वाहन मालिकों के लिए उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) लगवाने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन उपलब्ध करवा दी है। अब वाहन मालिक अपने घर बैठे ही www.siam.in पोर्टल या सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एस.आई.ए.एम.) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पंजाब में अब तक कुल 64,24,336 वाहनों पर उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेटें लगाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल से वाहन मालिकों को आरटीओ कार्यालयों के चक्कर लगाने और अनधिकृत एजेंटों या बिचौलियों पर निर्भर रहने से राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का

उद्देश्य हर कार्य में पारदर्शिता लाना और जनता की सुविधा सुनिश्चित करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्देशों और मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट लगवाना अनिवार्य है।

परिवहन मंत्री ने शेष वाहन मालिकों से अपील की कि वे निर्धारित ऑनलाइन प्रक्रिया का लाभ उठाते हुए जल्द से जल्द अपने वाहनों पर HSRP लगवाएं, ताकि भविष्य में चालान और अन्य कानूनी परेशानियों से बचा जा सके।

बीकेयू की बैठक, टोल फ्री और बिजली बिल जलाने का ऐलान

समर न्यूज | पटियाला

पटियाला जिले के राजपुरा टाउन स्थित गुरुद्वारा नीलपुर साहिब में 10 जनवरी 2026 को भारतीय किसान यूनियन (एकता भटेड़ी) की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर आगामी आंदोलन की रणनीति तय की गई, जिसमें टोल प्लाजा को मुफ्त करना और बिजली बिलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शामिल है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 जनवरी को प्रदेश भर में चार घंटे के लिए टोल प्लाजा मुफ्त किए जाएंगे। इसके अगले दिन 13 जनवरी को लोहड़ी के अवसर पर किसान वर्ष 2025 के बिजली बिलों की प्रतियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। इसके अलावा आंदोलन के दूसरे चरण में 21 और 22 जनवरी को चिप वाले बिजली मीटर निकालकर संबंधित सब-डिवीजन कार्यालयों में जमा

कराए जाएंगे। संगठन ने अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पुराने पहचान पत्रों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। अब नए चिपयुक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे, जिन पर संगठन का स्कैनर और राज्य की पहचान अंकित होगी, ताकि नकली कार्डों पर रोक लगाई जा सके। सभी सदस्यों से नए पहचान पत्र बनवाने की अपील की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि पुराने या नकली कार्ड इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे और आंदोलन को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

आर्मी डे से पहले जयपुर में सेना की शक्ति का प्रदर्शन

7 बाइकों पर 27 जवानों ने बनाया ह्यूमन पिरामिड, सेना की आधुनिक ताकत ने खींचा लोगों का ध्यान

समर न्यूज | जयपुर

15 जनवरी को होने वाली 78वीं आर्मी डे परेड से पहले जयपुर के जगतपुरा स्थित महल रोड पर भारतीय सेना ने फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अपनी सैन्य शक्ति और अनुशासन का भव्य प्रदर्शन किया। करीब पांच घंटे तक पूरा इलाका छावनी में तब्दील नजर आया, जहां थल, जल और वायु—तीनों स्तरों पर सेना की ताकत दिखाई गई।

रिहर्सल के दौरान सेना के जवानों ने मोटरसाइकिल पर हैरतअंगेज करतब दिखाए। सात बाइकों पर सवार 27 जवानों ने ह्यूमन पिरामिड बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके साथ ही मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का प्रदर्शन किया गया, जो मात्र 20 सेकेंड में एक साथ 40 से अधिक रॉकेट दागने में सक्षम है।

आसमान में अपाचे AH-64E,

चीता और चेतक हेलिकॉप्टरों ने फ्लाई पास्ट कर सेना की हवाई ताकत का परिचय दिया। जमीन पर K-9 वज्र टी टैंक, अर्जुन मार्क-1 टैंक, हाई मोबिलिटी रिकॉनिसेंस व्हीकल और स्वदेशी मिसाइल प्रणालियां आकर्षण का केंद्र रहीं। 300 किलोमीटर तक मार करने वाले रॉकेट लॉन्चर और अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक ने आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई। रिहर्सल में घुड़सवार बटालियन, भैरव बटालियन और सेना के बैंड की प्रस्तुति ने माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने रिहर्सल देखा और तालियों के साथ जवानों का उत्साह बढ़ाया। 15 जनवरी को होने वाली मुख्य परेड को लेकर सेना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

मारवाड़ी-नुकरा नस्ल के देंखे करतब

पंजाब सरकार करा रही है मुक्तसर साहिब की घोड़ा मंडी में आयोजन

समर न्यूज | श्री मुक्तसर साहिब

श्री मुक्तसर साहिब में माघी के अवसर पर पंजाब सरकार द्वारा आयोजित होने वाले पारंपरिक घोड़ा मंडी मेले में राज्य की ग्रामीण विरासत और पशुपालन की समृद्ध परंपरा देखने को मिलेगी। इस मेले में मारवाड़ी और नुकरा जैसी प्रसिद्ध घोड़े की नस्लें, दुर्लभ पशुधन और अन्य घरेलू जानवर प्रदर्शित किए जाएंगे। मंत्री पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन, गुरमीत सिंह खूदियां ने बताया कि यह मेला पंजाब की कृषि और पशुपालन परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

पशुपालन विभाग ने 70 एकड़ के इंडस्ट्रियल फोकल पॉइंट, लांबी धाब, मुक्तसर साहिब में मेले की तैयारियों को पूरा किया है। मंत्री खूदियां ने बताया कि जानवरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए एक अस्थायी पशु चिकित्सा दवाखाना

स्थापित किया गया है। गुरदित सिंह की अगुवाई में 40 सदस्यीय टीम 24x7 पशुओं के इलाज और किसी भी बीमारी के फैलाव पर निगरानी करेगी।

पशुपालन मंत्री ने पशुपालकों से केवल स्वस्थ जानवर ही मेले में लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पशुओं का स्वास्थ्य सर्वोपरि है। यदि किसी पशु में कोई बीमारी के लक्षण दिखें, तो मेला आने से पहले स्थानीय पशु चिकित्सक से संपर्क करें। प्रमुख सचिव पशुपालन, राहुल भंडारी ने कहा कि यह मेला ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा, व्यापार को बढ़ावा देगा और आम नागरिकों को पारंपरिक संस्कृति का अनुभव करने का अवसर देगा।

सफाई को लेकर सख्ती, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

पटियाला में सफाई अभियान में उतरे स्वास्थ्य मंत्री बलबीर

समर न्यूज | जालंधर

पटियाला में 'मेरा पटियाला मैं ही संवारूं' अभियान के तहत त्रिपड़ी इलाके में आयोजित सफाई अभियान में पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों और स्थानीय काउंसलरों के साथ मिलकर सफाई की और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की घोषणा की। मंत्री ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा, ताकि लोगों में जिम्मेदारी की भावना पैदा हो। डॉ. बलबीर सिंह ने अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि वार्ड स्तर पर नियमित सफाई अभियान चलाना बेहद जरूरी है। उन्होंने काउंसलरों से अपने-अपने वार्ड गोद लेने और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान किया। स्वास्थ्य मंत्री ने भरोसा दिलाया कि पटियाला के विकास और सफाई से जुड़े कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और सरकार हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने शहर में निरंतर और स्थायी सफाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए नागरिकों से घरों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की अपील की। मंत्री ने बताया कि नगर निगम द्वारा वार्ड गोद लेने जैसी पहलों को पूरा समर्थन दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य की विकास योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए नाभा रोड स्थित पर्यावरण पार्क के विस्तार, फलौली में नए पार्क के विकास और बाढ़ रोकथाम के लिए नदी की क्षमता बढ़ाने के प्रस्तावों का उल्लेख किया।

जालंधर में करंट लगने से दो बिजली कर्मचारियों की मौत, एक घायल

समर न्यूज | जालंधर

पंजाब में बिजली विभाग के ठेका कर्मचारियों के साथ हो रहे हादसे लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। जालंधर में बीते दो दिनों के भीतर बिजली मरम्मत कार्य के दौरान करंट लगने से दो ठेका कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गया है और उसका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। घायल की हालत नाजुक है। पावरकॉम एवं ट्रांसको ठेका कर्मचारी यूनियन पंजाब के अनुसार, बार्डर जोन एरिया में तैनात गुरप्यार सिंह और सुनील कुमार की ड्यूटी के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसे लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का नतीजा हैं। यूनियन का आरोप है कि पंजाब में अब तक करंट लगने से 300 से अधिक बिजली कर्मचारी अपनी जान गंवा चुके हैं।

गंदे पानी की निकासी पर पंजाब एससी आयोग सख्त

समर न्यूज | जालंधर

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने जालंधर जिले के फिल्लौर तहसील स्थित गांव नगर में गंदे पानी की निकासी की गंभीर समस्या को लेकर सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने इस मामले में सूमोटो संज्ञान लेते हुए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) जालंधर को 14 जनवरी को चंडीगढ़ स्थित आयोग कार्यालय में पेश होने के निर्देश जारी किए हैं।

आयोग के चेयरमैन जसबीर सिंह गढ़ी ने जारी नोटिस में बताया कि गांव नगर में श्री गुरु रविदास महाराज को मानने वाले रविदासिया समाज का एक प्रमुख धार्मिक डेरा स्थित है। आने वाले दिनों में श्री गुरु रविदास महाराज के गुरुपर्व को लेकर बड़ी शोभायात्राओं का आयोजन प्रस्तावित है, लेकिन गंदे पानी की निकासी सड़क पर होने से श्रद्धालुओं

और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नोटिस में कहा गया है कि पंचायत विभाग की कथित लापरवाही के कारण यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। हाल ही में गंदे पानी में डूबने से एक महिला की मौत हो चुकी है, जिससे हालात की गंभीरता और बढ़ गई है। स्थायी समाधान की मांग को लेकर गांववासियों ने सड़क पर धरना भी दिया हुआ है।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पंचायत विभाग की भूमिका की विस्तृत जांच की जाएगी और संबंधित अधिकारी को स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

उत्सव | डॉ. गुरप्रीत कौर और पंजाबी सिंगर मनमोहन वारिस ने कार्यक्रम में शिरकत की

5100 बेटियों की डाली लोहड़ी डॉ. गुरप्रीत ने की शमूलियत

समर न्यूज | जालंधर

जिले के गांव घुड़का में रविवार को 5100 नवजन्मी बेटियों की सामूहिक लोहड़ी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। कार्यक्रम का आयोजन जौहल फॉर्म सेवा सोसाइटी द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य सेवादार पिंदु जौहल यूके से आए थे।

कार्यक्रम में पंजाबी सिंगर मनमोहन वारिस ने इसे होस्ट किया, जबकि मशहूर पंजाबी और बॉलीवुड गायक हंसराज हंस ने अपना प्रसिद्ध गीत 'पुत्त वंडाउण जमीनां, धीयां दुख वंडाउंदियां ने' गाकर माहौल को भावपूर्ण और उत्साहपूर्ण बना दिया। लोगों ने हंसराज हंस के भंगड़ा सांग पर जमकर गिद्दा-भंगड़ा किया।

इस अवसर पर महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जरूरतमंद और गरीब परिवारों की बेटियों को विशेष सम्मान और उपहार प्रदान किए गए। आयोजकों ने बताया कि इस विशेष लोहड़ी समारोह में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के भी आने की संभावना जताई जा रही है। मुख्यमंत्री के शामिल होने से यह आयोजन और भी ऐतिहासिक बन जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश देना है। जौहल फॉर्म में आयोजित इस सामूहिक लोहड़ी कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सौहार्द की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ बच्चों को सम्मान और उपहार भी दिए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बेटियों के महत्व और उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर जागरूकता फैलाने में मददगार हैं।

अब सोना-मोना धार्मिक मूवी में ओटीटी पर

चलो बुलावा आया है में रेस्त्रां मालिक के रूप में आएंगे नजर, जन्म से जुड़े हैं दोनों

समर न्यूज | अमृतसर

पंजाब में एक शरीर, दो जान के नाम से पहचाने जाने वाले अमृतसर के सोना–मोना (सोहना–मोहना) अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रहे हैं। दोनों जुड़वां भाई धार्मिक फिल्म 'चलो बुलावा आया है' में अभिनय करते नजर आएंगे, जिसे अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा रहा है। यह उनका पहला ओटीटी प्रोजेक्ट होगा। फिल्म में सोना–मोना ने एक रेस्टोरेंट मालिक का किरदार निभाया है और वे अभिनेता पुखराज भल्ला के साथ स्क्रीन साझा करते दिखाई देंगे। इससे पहले दोनों बड़े पर्दे पर भी काम कर चुके हैं, लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह उनकी पहली प्रस्तुति है। सोना-मोना जन्म से जुड़े हुए जुड़वां भाई हैं, जिन्हें मेडिकल भाषा में कॉन्जॉइन्ड ट्विन्स कहा जाता है। उनका शरीर कमर के

ऊपर से दोहरा है, जबकि नीचे का हिस्सा एक ही है। जन्म के बाद उन्हें पिंगलवाड़ा में छोड़ दिया गया था, जहां उनकी परवरिश हुई। वर्तमान में सोना पंजाब सरकार के बिजली बोर्ड में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि मोना उनके साथ बिना वेतन सेवा देते हैं।

दोनों भाइयों की पसंद और रुचियां अलग-अलग हैं, लेकिन जीवन को लेकर उनका जज़्बा एक जैसा है। उनकी ओटीटी पर एंट्री को संघर्ष, हौसले और प्रेरणा की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

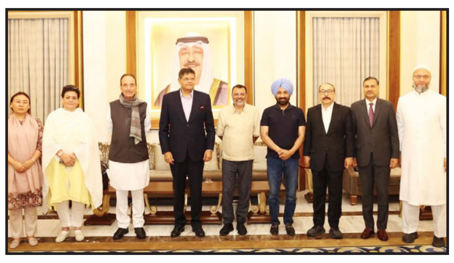

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक दौरे पर रोजाना 73 लाख का खर्च, तो क्या भारत को मिला ठोस अंतरराष्ट्रीय समर्थन!

एजेंसी | नई दिल्ली

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने पाकिस्तान को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की। इसके बाद सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कार्रवाई को सही ठहराने और आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का संदेश देने के उद्देश्य से एक बड़ा कूटनीतिक अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को 32 देशों में भेजा गया, जिनमें सत्तापक्ष, विपक्ष और पूर्व राजनयिक शामिल थे। कुल 59 सदस्यों वाले ये प्रतिनिधिमंडल 21 मई से 7 जून 2025 तक विदेश दौरे पर रहे। अब आरटीआई के जरिए सामने आए खर्च के आंकड़ों ने इस अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरटीआई कार्यकर्ता कन्हैया कुमार द्वारा द वायर हिंदी को उपलब्ध कराए गए विदेश मंत्रालय के जवाब के मुताबिक, इस पूरे अभियान पर कुल 13 करोड़ 11 लाख 16 हजार 647 रुपये खर्च हुए। 18 दिन चले इस अभियान में औसतन 72 लाख 84 हजार रुपये प्रतिदिन खर्च किए गए।

सबसे महंगा प्रतिनिधिमंडल

सबसे ज्यादा खर्च भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल पर हुआ, जिसने फ्रांस, इटली, डेनमार्क, ब्रिटेन, जर्मनी और बेल्जियम का दौरा किया। 14 दिनों की इस यात्रा पर 3.44 करोड़ रुपये खर्च हुए। यानी दस सदस्यों के इस समूह में प्रति व्यक्ति औसतन 34 लाख रुपये का खर्च आया। कुछ देशों के दूतावासों ने खर्च का पूरा विवरण नहीं दिया। इटली ने 'सुरक्षा कारणों' का हवाला देकर जानकारी देने से इनकार किया, जबकि ब्रिटेन ने कहा कि आंकड़े फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि डेनमार्क, बेल्जियम और जर्मनी से मिले जवाबों के मुताबिक, सिर्फ इन देशों में होटल पर 23 लाख और परिवहन पर 63 लाख रुपये से अधिक खर्च हुए।

▪ शशि थरूर का समूह दूसरे नंबर पर...

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका, कोलंबिया, ब्राजील, गुयाना और पनामा का दौरा किया। इस यात्रा पर 2.08 करोड़ रुपये खर्च हुए। नौ सदस्यों वाले इस समूह में प्रति व्यक्ति औसतन 23 लाख रुपये का खर्च आया। अमेरिका में अकेले होटल पर 38 लाख और परिवहन पर 12 लाख रुपये खर्च हुए। कुछ देशों में फोटो-वीडियो, सिम कार्ड और अन्य विविध खर्च भी लाखों रुपये में रहे।

▪ प्रति व्यक्ति खर्च में कनिमोझी का समूह आगे...

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाले सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पर करीब 1.90 करोड़ रुपये खर्च हुए। यानी प्रति व्यक्ति औसतन 27 लाख रुपये। इस समूह के तीन देशों के ही खर्च का विवरण उपलब्ध हो पाया है, जिसमें होटल, परिवहन और दैनिक भत्ते के अलावा 'अन्य खर्च' का हिस्सा काफी बड़ा रहा।

▪ अन्य प्रतिनिधिमंडल...

शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे, जेडीयू सांसद संजय झा, और बहरीन-कुवैत-सऊदी-अल्जीरिया गए अन्य समूहों पर भी 1.30 से 1.50 करोड़ रुपये तक खर्च हुए। जापान में प्रतिनिधिमंडल को तीन लाख रुपये से अधिक का दैनिक भत्ता दिया गया, जबकि कुछ देशों में सिम कार्ड और टॉक-टाइम जैसे मदों पर भी खर्च हुआ। सबसे कम खर्च एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल पर हुआ, लेकिन वहां भी 12 दिनों में 1.31 करोड़ रुपये खर्च हुए। यही एकमात्र समूह था, जिसके सभी देशों से खर्च का पूरा विवरण मिला।

▪ भारत को क्या हासिल हुआ...

इतने बड़े खर्च के बाद मूल सवाल यही है कि भारत को इस कूटनीतिक अभियान से क्या ठोस लाभ मिला? क्या किसी प्रभावशाली देश ने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान को आतंकवाद प्रायोजित राष्ट्र घोषित किया? क्या संयुक्त राष्ट्र या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के पक्ष में कोई प्रस्ताव पारित हुआ? क्या पाकिस्तान पर किसी तरह के नए आर्थिक या कूटनीतिक प्रतिबंध लगे? यदि इन सवालों के जवाब स्पष्ट "हां" में नहीं हैं, तो इस पूरे अभियान की उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार का तर्क है कि इस अभ्यास का उद्देश्य दुनिया को यह दिखाना था कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच व्यापक राष्ट्रीय सहमति है। यह संदेश अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक पहुंचाने की कोशिश की गई।

▪ क्या पारंपरिक कूटनीति काफी नहीं थी...

भारत के पास पहले से मजबूत विदेश मंत्रालय, दूतावासों का नेटवर्क और अनुभवी राजनयिक तंत्र मौजूद है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या यही संदेश पारंपरिक कूटनीतिक माध्यमों से नहीं दिया जा सकता था? या फिर यह बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल जनता के सामने "अंतरराष्ट्रीय सक्रियता" दिखाने का एक राजनीतिक प्रयास भी था? लोकतंत्र में सार्वजनिक धन का मूल्यांकन नीयत से नहीं, बल्कि नतीजों से होता है। जब 13 करोड़ रुपये से अधिक खर्च के बाद भी कोई स्पष्ट कूटनीतिक उपलब्धि नजर नहीं आती, तो इस पूरे अभियान पर गंभीर बहस जरूरी हो जाती है।

अमेजन पे ने निवेश क्षेत्र में रखा कदम, ऐप से ही कर सकेंगे एफडी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

यूपीआई और बिल पेमेंट के बाद अब अमेजन पे ने निवेश सेवाओं में भी एंट्री कर ली है। कंपनी ने Fixed Deposit (एफडी) निवेश सर्विस लॉन्च की है, जिसके तहत यूजर्स सीधे अमेजन पे ऐप के जरिए एफडी में पैसा लगा सकेंगे। इस सेवा की खास बात यह है कि एफडी कराने के लिए किसी अलग सेविंग अकाउंट की जरूरत नहीं होगी। न्यूनतम निवेश 1,000 रुपये से शुरू होगा, जबकि ब्याज दर 8 प्रतिशत सालाना तक मिल सकती है। अमेजन पे की यह नई सर्विस खास तौर पर उन यूजर्स को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जो सुरक्षित और तय रिटर्न चाहते हैं। कंपनी के अनुसार, फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट्स भारत में पहले से ही लोकप्रिय हैं और यह सर्विस 2026 के फाइनेंशियल गोल्स को ध्यान में रखते हुए लॉन्च की गई है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल है और निवेश अमेजन ऐप के भीतर ही पूरा हो जाता है। अमेजन पे एफडी सर्विस के तहत कई स्मॉल फाइनेंस बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की गई है। इसमें स्मॉल फाइनेंस बैंकः शिवालिक, सूर्योदय, स्लाइस, उत्कर्ष और साउथ इंडियन बैंक NBFC पार्टनर्सः श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस इन संस्थानों के जरिए अलग-अलग अवधि और ब्याज दरों पर एफडी का विकल्प उपलब्ध होगा, जिससे निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार चयन कर सकते हैं। अमेजन पे एफडी पर निवेशकों को अधिकतम 8 प्रतिशत सालाना तक ब्याज मिल सकता है। वहीं, श्रीराम फाइनेंस महिलाओं को 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज भी ऑफर कर रहा है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि पार्टनर बैंकों में की गई एफडी पर 5 लाख रुपये तक की राशि DICGC (Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation) के तहत सुरक्षित रहती है। यह आरबीआई की सहायक संस्था है, जिससे निवेशकों को अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है। एफडी निवेश की प्रक्रिया बेहद सरल रखी गई है। अमेजन ऐप खोलकर अमेजन पे सेक्शन में जाएं वहां Fixed Deposit का विकल्प चुनें। शर्तें स्वीकार कर पसंद का बैंक या NBFC सिलेक्ट करें। निवेश राशि और अवधि चुनकर डिजिटल तरीके से प्रक्रिया पूरी करें। पूरी प्रक्रिया ऐप के अंदर ही पूरी हो जाती है और किसी तरह की अतिरिक्त कागजी कार्रवाई की जरूरत नहीं होती। अमेजन पे का यह कदम डिजिटल पेमेंट के बाद अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की दिशा में कंपनी की रणनीति को दर्शाता है।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

एक अच्छा दिन सकारात्मक सोच और शांत मन से शुरू होता है। जब हम सुबह कृतज्ञता के भाव के साथ उठते हैं, तो दिन की शुरुआत सुखद और ऊर्जा से भरपूर होती है। सूरज की हल्की रोशनी, ताज़ी हवा और चेहरे पर एक सच्ची मुस्कान मन को नई प्रेरणा देती है। अच्छा दिन वह नहीं होता जिसमें कोई समस्या न हो, बल्कि वह होता है जिसमें हम समस्याओं का सामना धैर्य, साहस और समझदारी से करते हैं। दिनभर अपने कार्यों को ईमानदारी और निष्ठा से करना, समय का सही उपयोग करना और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखना दिन को सार्थक बनाता है। दूसरों के प्रति विनम्र व्यवहार, सम्मान और सहयोग की भावना हमारे संबंधों को मजबूत करती है। छोटे-छोटे अच्छे कार्य, जैसे किसी ज़रूरतमंद की मदद करना, धन्यवाद कहना या किसी की प्रशंसा करना, मन को गहरा संतोष देते हैं। काम के बीच थोड़ा विश्राम करना भी आवश्यक होता है, ताकि मन और शरीर दोनों स्वस्थ और सक्रिय बने रहें। दिन के अंत में जब हम अपने किए गए कार्यों पर विचार करते हैं और अच्छे पलों को याद करते हैं, तो मन में शांति और संतुष्टि का अनुभव होता है। वास्तव में, एक अच्छा दिन सकारात्मक विचारों, अच्छे कर्मों और सरल खुशियों से मिलकर बनता है।

-अमरोजत सिंह, जिम संचालक, लुधियाना

आधार पीवीसी कार्ड हुआ महंगा, अब 75 रु देने होंगे

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने आधार पीवीसी कार्ड की फीस में बढ़ोतरी कर दी है। माय आधार पोर्टल या एम आधार मोबाइल ऐप के जरिए पीवीसी आधार कार्ड के लिए आवेदन करने पर अब 75 रुपये चुकाने होंगे। इससे पहले यह शुल्क 50 रुपये था। यानी प्रति कार्ड 25 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

यूआईडीएआई के अनुसार, आधार पीवीसी कार्ड की प्रिंटिंग और डिलीवरी लागत में वृद्धि हुई है। कार्ड निर्माण में इस्तेमाल होने वाले मैटेरियल की कीमत बढ़ने, सुरक्षित प्रिंटिंग, स्पीड पोस्ट के जरिए डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स खर्च में इजाफा होने के कारण यह फैसला लिया गया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि शुल्क बढ़ाते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि यह आम लोगों की पहुंच में बना रहे।

▪ क्यों लाया गया पीवीसी आधार कार्ड...

पीवीसी आधार कार्ड को पारंपरिक पेपर आधार लेटर की तुलना में अधिक टिकाऊ और सुविधाजनक बनाया गया है। कागज पर प्रिंट किया गया आधार कार्ड जल्दी मुड़ जाता था, खराब हो जाता था और आकार में भी बड़ा होता था। इन समस्याओं को देखते हुए यूआईडीएआई ने पीवीसी कार्ड शुरू किया।

▪ आधार कार्ड की अहमियत...

आधार कार्ड भारत सरकार द्वारा जारी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या है, जो बायोमेट्रिक डाटा फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन पर आधारित होती है। केंद्र और राज्य सरकारों की अधिकांश योजनाओं और सेवाओं में आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है। इसके जरिए पहचान और सत्यापन दोनों किए जा सकते हैं। यूआईडीएआई का कहना है कि बढ़े हुए शुल्क के बावजूद नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता और सुरक्षित सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

Gmail में आया बड़ा एआई अपडेट... 'AI Inbox' से ईमेल बनेगा स्मार्ट टास्क मैनेजर

• अब Gmail खुद समझेगा जरूरी काम, ईमेल पढ़ेगा, टास्क बनाएगा और जवाब भी लिखेगा

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

गूगल ने अपने लोकप्रिय ईमेल प्लेटफॉर्म जीमेल में एक बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अपडेट पेश किया है, जो ईमेल के इस्तेमाल के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। कंपनी ने AI Inbox नाम का नया फीचर लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य जीमेल को सिर्फ ईमेल पढ़ने-लिखने का माध्यम न रखकर एक स्मार्ट टास्क मैनेजमेंट वर्कस्पेस में बदलना है। इस फीचर के जरिए जीमेल अब ईमेल को समझकर खुद जरूरी कामों की पहचान करेगा, उनकी लिस्ट बनाएगा और जरूरत पड़ने पर जवाब के ड्राफ्ट भी तैयार करेगा। फिलहाल यह सुविधा अमेरिका में चुनिंदा यूजर्स के लिए टेस्टिंग के तौर पर उपलब्ध कराई गई है।

AI Inbox में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यूजर के ईमेल पैटर्न, भाषा और संदर्भ को समझेगा। इसका मतलब यह है कि एआई यह तय कर सकेगा कि कौन सा ईमेल ज्यादा जरूरी है और कौन सा कम। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी ईमेल में अपॉइंटमेंट बदलने, भुगतान करने या किसी को जवाब देने की बात है, तो एआई उसे पहचान कर अपने आप एक टू-डू टास्क बना देगा। साथ ही, जिन ईमेल्स पर फॉलो-अप की जरूरत होगी, उनके लिए एआई ड्राफ्ट रिप्लाई भी सुझाएगा, जिससे यूजर का समय बचेगा और हर मेल को विस्तार से पढ़ने की जरूरत कम हो जाएगी। यह फीचर बिखरे हुए ईमेल्स से जरूरी जानकारी निकालकर एक जगह दिखाने का काम भी करेगा। जैसे अस्पताल की अपॉइंटमेंट, स्कूल या कॉलेज की फीस जमा करने की डेडलाइन, या किसी बिजनेस डील से जुड़ी बातचीत एआई इन सभी को पहचानकर समय पर रिमाइंडर देगा। इसके अलावा, एक ही विषय से जुड़े कई ईमेल्स की संक्षिप्त समरी भी तैयार की जाएगी, जिससे यूजर पूरी बातचीत को जल्दी समझ सके। इस तरह AI Inbox एक वर्चुअल असिस्टेंट की तरह काम करेगा।

गूगल का कहना है कि भविष्य में AI Inbox को सिर्फ ईमेल तक सीमित नहीं रखा जाएगा। आगे चलकर इसे फोन कॉल करने, पेमेंट प्रोसेस करने और अन्य डिजिटल ऐक्शन्स से भी जोड़ा जा सकता है। कंपनी इसे एक एआई एजेंट के रूप में विकसित करना चाहती है, जो यूजर की ओर से कई काम खुद संभाल सके। फ्री और पेड यूजर्स के लिए भी फीचर्स अलग-अलग होंगे। सभी जीमेल यूजर्स को एआई से बनी ईमेल समरी और पर्सनलाइज्ड ऑटो-रिप्लाई मुफ्त में मिलेंगी, जबकि Google One AI Pro जैसे पेड सब्सक्रिप्शन लेने वालों को एडवांस फीचर्स जैसे ग्रामर चेक और स्मार्ट ईमेल सर्च की सुविधा मिलेगी। हालांकि, कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि जरूरत से ज्यादा टास्क सजेशन यूजर्स पर दबाव बढ़ा सकते हैं और एआई के फैसलों पर भरोसे को लेकर सवाल भी खड़े हो सकते हैं।

पेज 3 एंकर स्टोरी | **देशभर के नेशनल हाईवे पर 424 डेड जोन चिन्हित, 1750 किमी तक नेटवर्क बेहाल**

हाईवे पर कमजोर नेटवर्क खतरा, एनएचएआई ने कनेक्टिविटी मांगी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

हाईवे पर यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर खराब मोबाइल नेटवर्क की समस्या का सामना करना पड़ता है, जिससे कॉलिंग, इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाएं बाधित होती हैं। इस समस्या को गंभीर मानते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दूरसंचार विभाग और टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से राष्ट्रीय राजमार्गों पर नेटवर्क कनेक्टिविटी मजबूत करने की मांग की है। एनएचएआई ने देशभर में फैले नेशनल हाईवे पर करीब 1750 किलोमीटर के हिस्से में मौजूद 424 ऐसे स्थानों की पहचान की है, जहां मोबाइल नेटवर्क बेहद कमजोर या पूरी तरह अनुपलब्ध रहता है।

एनएचएआई ने अपने बयान में कहा कि उसने मोबाइल नेटवर्क की कमी वाले इन क्षेत्रों की पूरी जानकारी, लोकेशन के साथ, DoT और TRAI को सौंप दी है। इसके साथ ही टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि वे राष्ट्रीय राजमार्गों, विशेष रूप से ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स और रिमोट सेक्शनों में भरोसेमंद नेटवर्क कवरेज उपलब्ध कराएं। अथॉरिटी का कहना है कि यह मामला सिर्फ सुविधा का नहीं बल्कि रणनीतिक महत्व और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

एनएचएआई के अनुसार, कई नेशनल हाईवे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों से होकर गुजरते हैं, जहां नेटवर्क की कमी के कारण इमरजेंसी रिस्पांस में देरी हो सकती है। दुर्घटना की स्थिति में एंबुलेंस, पुलिस या अन्य आपात सेवाओं से संपर्क न हो पाना यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इसके अलावा, फास्टैग, डिजिटल पेमेंट और नेविगेशन जैसी आधुनिक सेवाएं भी कमजोर नेटवर्क के कारण प्रभावित होती हैं। नेटवर्क सुधार के साथ-साथ एनएचएआई सड़क सुरक्षा को लेकर भी एक नई पहल पर काम कर रही है। अथॉरिटी चाहती है कि जैसे ही कोई वाहन चालक हाईवे पर किसी दुर्घटना संभावित या संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश करे, उसके मोबाइल फोन पर एसएमएस या फ्लैश अलर्ट के जरिए सेफ्टी मैसेज भेजा जाए। इस संबंध में भी एनएचएआई ने TRAI से सहयोग मांगा है। अथॉरिटी का कहना है कि यदि ड्राइवर को उस इलाके में पहुंचने से पहले ही चेतावनी मिल जाए, तो वह सतर्क होकर वाहन चला सकता है और हादसों की संख्या कम की जा सकती है। इसके लिए ऐसी सभी संवेदनशील लोकेशनों की सूची TRAI को सौंप दी गई है।

एनएचएआई ने उम्मीद जताई है कि DoT, TRAI और टेलीकॉम कंपनियों के सहयोग से जल्द ही हाईवे पर नेटवर्क कनेक्टिविटी और सेफ्टी अलर्ट सिस्टम में सुधार होगा, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित की जा सकेंगी।

X ने मानी गलती, 3,500 अश्लील पोस्ट ब्लॉक, 600 अकाउंट्स हटाए

सरकारी सख्ती के बाद झुका X, ग्रोक एआई से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट पर बड़ी कार्रवाई

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X ने ग्रोक एआई से जुड़े अश्लील कंटेंट विवाद में अपनी गलती स्वीकार कर ली है और भारत सरकार को भरोसा दिया है कि वह भारतीय कानूनों और आईटी नियमों के तहत ही काम करेगा। सरकार की सख्ती के बाद X ने करीब 3,500 आपत्तिजनक पोस्ट को ब्लॉक किया है और 600 से अधिक अकाउंट्स को प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। यह कार्रवाई ऑनलाइन अश्लीलता और महिलाओं को निशाना बनाए जाने के बढ़ते मामलों के बीच की गई है।

भारत सरकार ने X के एआई टूल ग्रोक के जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाने, महिलाओं को परेशान करने और उनकी तस्वीरों व वीडियो के दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताई थी, जिसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2 जनवरी को सभी गैरकानूनी कंटेंट हटाने का आदेश दिया था। X को 72 घंटे में एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा गया था, लेकिन पहली रिपोर्ट को सरकार ने अपर्याप्त बताया, जिसके बाद कंपनी को अतिरिक्त समय दिया गया। अब X ने कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम को और सख्त करने, आपत्तिजनक पोस्ट और अकाउंट्स पर तेजी से कार्रवाई करने और निगरानी व रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत बनाने का वादा किया है।

रेवाड़ी में देर रात पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़; दो घायल, दो ने किया सरेंडर, दो अवैध पिस्तौल बरामद

कुख्यात बदमाश हर्ष उर्फ पोपला सहित चार गिरफ्तार, हत्या के मामलों में वांटेड था हर्ष उर्फ पोपला

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

जिले में शनिवार देर रात पुलिस और कुख्यात बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मीरपुर यूनिवर्सिटी के पास हुई इस मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि उनके दो साथियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी को छाती में गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण वह बाल-बाल बच गया।

घायल बदमाश को ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाती पुलिस। - समर न्यूज़

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए बदमाशों में रेवाड़ी के गोकलगढ़ निवासी हर्ष उर्फ पोपला और नीरज, रोहतक निवासी मोटू तथा जींद के गुड़ा खेड़ा निवासी रितिक शामिल हैं। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो अवैध पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है। घायल बदमाशों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीआईए को मिली थी वारदात की सूचना : शनिवार शाम सीआईए को सूचना मिली थी कि हत्या, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम और संगठित अपराध से जुड़े कुख्यात बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर रात करीब 11 बजे सीआईए प्रभारी सुमेर सिंह के नेतृत्व में टीम ने धारूहेड़ा की ओर से आ रही एक स्विफ्ट कार का पीछा शुरू किया।

पुलिस पर की फायरिंग

पुलिस को देखकर बदमाशों ने कार तेज कर दी और जीतपुर से मीरपुर के कच्चे रास्ते की ओर भाग गए। जीतपुर के पास उन्होंने कार रोककर पीछा कर रही पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हर्ष उर्फ पोपला और मोटू के पैर में गोली लगी, जबकि नीरज और रितिक ने सरेंडर कर दिया। इसके बाद चारों को काबू में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि हर्ष उर्फ पोपला पर हत्या, हत्या के प्रयास और गैंगस्टर एक्ट सहित कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उस पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। वह धारूहेड़ा थाना क्षेत्र के केस नंबर 315 में वांटेड था।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 15 अक्टूबर को हर्ष उर्फ पोपला ने अपने साथियों के साथ शहर थाना क्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया था। 17 अक्टूबर को आरोपियों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। उस घटना में मारपीट के दौरान घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसी केस में पुलिस को लंबे समय से हर्ष और उसके साथियों की तलाश थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारूहेड़ा थाने में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डॉल्फिन चौक पर ऑटो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए थे पूर्व जनरल

सड़क हादसे में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल का निधन

समर न्यूज़ | पंचकूला

दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) कुलवंत सिंह मान का निधन हो गया। मनसा देवी सेक्टर-4 निवासी कुलवंत सिंह मान को डॉल्फिन चौक के पास एक ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) कुलवंत सिंह मान 9 जनवरी की शाम करीब साढ़े पांच बजे सैर के लिए निकले थे। इसी दौरान डॉल्फिन चौक के पास एक ऑटो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वे मौके पर ही बेहोश हो गए। हादसे में उनके सिर और पेट से काफी खून बहने लगा। राहगीरों की मदद से उन्हें पंचकूला के कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 10 जनवरी को उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

कुलवंत सिंह की फाइल फोटो। - समर न्यूज़

ब्रेन में गंभीर चोट बनी मौत का कारण : डॉक्टरों के अनुसार, कुलवंत सिंह मान को तीन स्थानों पर गंभीर चोटें आई थीं। ब्रेन में गहरी चोट लगने के कारण ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित हो गई, जो उनकी मौत का मुख्य कारण बनी। हादसे में सिर से अत्यधिक रक्तस्राव भी हुआ था। परिवार के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) कुलवंत सिंह मान के पार्थिव शरीर को सेक्टर-6 अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। उनकी पत्नी सुखजीवन कौर और दो बेटे हैं। बड़े बेटे हरप्रीत मान भारतीय सेना में कर्नल रह चुके हैं, जबकि छोटे बेटे जसप्रीत मान कनाडा पुलिस में अधिकारी हैं। जसप्रीत मान के 12 जनवरी को पंचकूला पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

विशिष्ट सैन्य सेवा का रहा गौरवशाली करियर : लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) कुलवंत सिंह मान ने 1 जनवरी 1976 को दानापुर में 12वीं बिहार बटालियन की स्थापना की थी और इसके पहले कमांडिंग ऑफिसर (लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में) रहे। भारतीय सेना में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। सेवानिवृत्ति के बाद वे चंडीगढ़ गोल्फ क्लब के सक्रिय सदस्य रहे।

अंबाला में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

पुलिसकर्मियों ने रिहायशी इलाकों में की जांच

समर न्यूज़ | अंबाला

अंबाला एयर फोर्स स्टेशन और इसके आसपास के रिहायशी इलाकों में सोमवार को अचानक भारी तादाद में पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियां पहुंचीं। इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों में सतर्कता फैल गई। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने एयर फोर्स स्टेशन के आसपास के सभी इलाकों में रहने वाले लोगों की जांच-पड़ताल की। इस ऑपरेशन में अंबाला पुलिस के डीएसपी हितेश माहला के नेतृत्व में करीब 250 से 300 महिला और पुरुष पुलिसकर्मी शामिल थे। इसके साथ ही इंटेलिजेंस विभाग की कई टीमें भी इस सर्च ऑपरेशन में मौजूद रहीं।

पुलिस टीम सर्च ऑपरेशन चलाती हुई। - समर न्यूज़

ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने हर घर का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां रहने वाले सभी लोगों का डाटा इकट्ठा किया। इसमें लोगों का नाम, पता, उम्र और अन्य व्यक्तिगत जानकारी शामिल की गई। डीएसपी हितेश माहला ने बताया कि यह कोई विशेष मामला नहीं, बल्कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर एयर फोर्स स्टेशन और इसके आसपास के इलाके में रूटीन सुरक्षा एक्सरसाइज है।

डीएसपी के अनुसार, इस ऑपरेशन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इलाके में कौन स्थायी निवासी है और कौन किराए पर रहता है। इस प्रकार की सुरक्षा तैयारियां संवेदनशील और रणनीतिक महत्व वाले अंबाला एयर फोर्स स्टेशन के लिए नियमित तौर पर की जाती रहती हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा बलों की अचानक तैनाती देखकर शुरुआती समय में थोड़ी दहशत फैली, लेकिन बाद में यह जानकारी मिल गई कि यह केवल सुरक्षा अभ्यास था।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, 1 की मौत और 5 घायल

समर न्यूज़ | सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले के खुइया मलकाना गांव के पास शनिवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य युवक घायल हो गए। मृतक की पहचान कुलवंत सिंह, निवासी खुइया मलकाना के रूप में हुई है। वह मीठड़ी स्थित मिल्क प्लांट में पनीर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। हादसे में घायल हुए सभी युवक भी इसी मिल्क प्लांट में काम करते हैं। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात ड्यूटी समाप्त होने के बाद कुलवंत सिंह अपने तीन साथियों साहिल, विकास और अभय के साथ एक बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। कुलवंत बाइक चला रहा था। जैसे ही वे खुइया मलकाना के पास पहुंचे, सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी सचिन और ओढ़ा निवासी लखविंदर सवार थे, जो मीठड़ी मिल्क प्लांट ड्यूटी पर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार सभी छह युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को डबवाली के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने कुलवंत सिंह को मृत घोषित कर दिया। हादसे में अभय को मामूली चोटें आई हैं, जबकि सचिन और लखविंदर की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सिरसा के अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक कुलवंत सिंह विवाहित था और उसके एक बेटी व दो बेटे हैं। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। डबवाली के सरकारी अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

बॉर्डर 2 प्रमोशनः वरुण धवन ने लिया आशीर्वाद

समर न्यूज़ | सोनीपत

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपनी आगामी फिल्म बॉर्डर 2 के प्रमोशन के दौरान परमवीर चक्र विजेता शहीद कर्नल होशियार सिंह दहिया की पत्नी धन्नो देवी से मुलाकात की। इस दौरान वरुण ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फिल्म को लेकर बातचीत की। प्री-रिलीज इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें धन्नो देवी वरुण की सराहना करते हुए फिल्म की सफलता की कामना करती नजर आ रही हैं। फिल्म बॉर्डर 2 में वरुण धवन 1971 के भारत-पाक युद्ध के नायक मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बटालियन का नेतृत्व किया। उनके अदम्य साहस के लिए उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फिल्म 23 जनवरी को रिलीज होगी।

प्राइवेट अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत, जांच के आदेश

समर न्यूज़ | सोनीपत

कैथल शहर में एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान महिला की मौत से हड़कंप मच गया। मृतका पिंकी के परिजनों ने अस्पताल की डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। रविवार को परिजन आक्रोशित होकर अस्पताल में हंगामा किया और डायल 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। पिंकी की सास रुकमिन ने बताया कि दो दिन पहले प्रसव पीड़ा के बाद महिला को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गर्भ में ही बच्चे की मौत हो चुकी है और प्रेग्नेंसी हाई रिस्क है। इसके बाद महिला को निजी कंसल अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों का आरोप है कि यदि मामला हाई रिस्क था तो महिला को चंडीगढ़ या करनाल रेफर करना चाहिए था। उन्होंने आशा वर्कर पर भी दबाव डालने का आरोप लगाया। कंसल अस्पताल की संचालिका डॉ. मोनिका कंसल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महिला की हालत गंभीर थी, बच्चे की मौत पहले ही हो चुकी थी और ऑपरेशन के बाद भी ब्लीडिंग नहीं रुकी। इसके चलते बच्चेदानी निकालनी पड़ी और हालत बिगड़ने पर महिला को सरकारी अस्पताल भेजा गया। सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला ने कहा कि मामले की जांच के लिए विशेष कमेटी गठित की जाएगी, जो निजी अस्पताल और सरकारी अस्पताल से लिंक तथा मौत के कारणों की पूरी जांच करेगी।

हंगामा करते हुए मरीज के परिजन - समर न्यूज़

हर चौथा उपभोक्ता डिफाल्टर, 7,742 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली अटकी

हरियाणा में बिजली बिल बकाया बना गंभीर संकट

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके साथ ही बिजली बिलों का बकाया राज्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि प्रदेश में लगभग हर चौथा बिजली उपभोक्ता डिफाल्टर की श्रेणी में पहुंच चुका है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य में कुल 83.40 लाख से अधिक बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें से 22.50 लाख उपभोक्ताओं पर 7,742 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजली बिल बकाया है।

अक्तूबर 2025 तक के आंकड़े बताते हैं कि डिफाल्टर उपभोक्ताओं में 15.98 लाख कनेक्शन अभी भी चालू हैं, जिन पर 3,873.98 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं 6.52 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा चुके हैं, लेकिन इनके बावजूद 3,868.17 करोड़ रुपये की राशि अब तक वसूल नहीं हो पाई है। इससे साफ है कि बड़ी संख्या में कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने के बाद भी बकाया वसूली की समस्या जस की तस बनी हुई है।

मंत्री अनिल विज। - समर न्यूज़

डीएचबीवीएन पर सबसे अधिक दबाव : प्रदेश के बिजली वितरण निगमों में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) पर सबसे ज्यादा बकाया है। डीएचबीवीएन के 12.95 लाख डिफाल्टर उपभोक्ताओं पर 4,817.81 करोड़ रुपये लंबित हैं। वहीं उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) में 9.55 लाख डिफाल्टरों पर 2,924.32 करोड़ रुपये का बिल बकाया है। श्रेणीवार आंकड़ों में सबसे अधिक बकाया ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं पर सामने आया है। ग्रामीण घरेलू श्रेणी के 11.17 लाख उपभोक्ताओं पर 4,282.12 करोड़ रुपये बकाया हैं। इसके मुकाबले शहरी घरेलू उपभोक्ताओं पर 959.07 करोड़ रुपये, औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 1,087.78 करोड़ रुपये और व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर 749.98 करोड़ रुपये का बकाया है। कृषि उपभोक्ताओं पर 200.59 करोड़ रुपये और सरकारी विभागों के 23,672 कनेक्शनों पर 418.06 करोड़ रुपये की राशि अटकी हुई है।

बिजली निगमों की सेहत पर असर : विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी डिफाल्टिंग राशि से बिजली वितरण निगमों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। इसका सीधा असर बिजली ढांचे के सुधार, नए निवेश और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति पर पड़ सकता है। यदि बकाया वसूली के लिए ठोस नीति नहीं बनाई गई, तो इसका बोझ अंततः ईमानदार उपभोक्ताओं पर बढ़ी हुई दरों के रूप में पड़ सकता है।

दरें तय करने से पहले बड़ी चुनौती : आठ जनवरी को हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग नई बिजली दरों को लेकर जन सुनवाई करने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या आयोग दरें बढ़ाने से पहले बकाया वसूली को लेकर बिजली निगमों को सख्त और स्पष्ट दिशा-निर्देश देगा, या फिर घाटे का बोझ आम उपभोक्ताओं पर ही डाला जाएगा। बिजली बकाया से जुड़े कई मामले न्यायालयों में भी लंबित हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकारी भवनों और संस्थानों सहित सभी उपभोक्ताओं से बकाया राशि की सख्ती से वसूली की जाएगी। भुगतान में आनाकानी होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जे का आरोप, निवासियों में रोष

समर न्यूज़ | पलवल

हुड्डा सेक्टर-2 की ग्रीन बेल्ट पर नगर परिषद द्वारा पहले कूड़ा डाले जाने और अब कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जे के प्रयासों को लेकर स्थानीय निवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। सोसाइटी में रहने वाले लोगों का आरोप है कि ग्रीन बेल्ट पर जबरन कब्जा किया जा रहा है और विरोध करने पर उन्हें धमकियां भी दी जा रही हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह अवैध कब्जा उसी स्थान पर किया जा रहा है, जहां कुछ दिन पहले खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने फायर ब्रिगेड कार्यालय के बनने वाले भवन का उद्घाटन किया था। निवासियों ने आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में मंत्री के करीबी लोगों की भूमिका सामने आ रही है।

हुड्डा सेक्टर में रहने वाले लोगों ने बताया कि लुक्का क्लब द्वारा ग्रीन बेल्ट पर अवैध रूप से कार्यालय बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसका वे कड़ा विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस संबंध में जिला प्रशासन को लिखित शिकायत दी जाएगी और किसी भी कीमत पर ग्रीन बेल्ट पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। निवासियों ने आरोप लगाया कि मंत्री गौरव गौतम के करीबी इंद्रपाल शर्मा और उसके कुछ सहयोगी जबरन कब्जा करने पर उतारू हैं और लोगों को धमकियां दे रहे हैं। इस मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी सत्ता पक्ष पर निशाना साधा है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना ने कहा कि भाजपा सरकार में एक ओर जहां आम लोगों के आशियाने तोड़े जा रहे हैं, वहीं सरकार से जुड़े लोग खुलेआम अवैध कब्जे कर रहे हैं और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, जो बेहद निंदनीय है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और ग्रीन बेल्ट को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना जानकारी देते हुए। - समर न्यूज़

गुरुग्राम में दो वाहनों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

समर न्यूज़ | गुरुग्राम

शहर के लेपर्ड ट्रेल क्षेत्र स्थित गांव सकतपुर में एक मारुति बलेनो कार में अचानक आग लगने की घटना सामने आई। कार स्थानीय निवासी ओम प्रभा की थी। जानकारी के अनुसार, अरावली की ओर जा रही कार में अचानक इंजन या इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़क उठी। ड्राइवर ने बोनट से धुआं निकलते देख कार को सड़क किनारे रोका और तेजी से बाहर निकल गया। इससे पहले कि कोई बड़ा हादसा होता, कार बेकाबू होकर सड़क के किनारे उतर गई। आग इतनी ज्यादा थी कि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जल गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने शॉर्ट सर्किट या पेट्रोल लीक को आग लगने का मुख्य कारण माना है।

मेला

कर्मबीर सिंह ने बताया जोरावर को करीब दो साल पहले सवा लाख रुपये में खरीदा था, जब उसकी उम्र डेढ़ साल थी

पशु मेले में 1,500 किलो का बुल 'जोरावर' बना आकर्षण, देखने उमड़ी भीड़

समर न्यूज़ | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में चल रहे पशु मेले में इस बार 1500 किलोग्राम वजनी और 10 फीट से अधिक लंबाई वाले होल्सटीन फ्रीजियन नस्ल के बुल 'जोरावर' ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उसकी विशाल कद-काठी और बेहतरीन बनावट को देखने के लिए मेले में भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

कुरुक्षेत्र के केडीबी मेला ग्राउंड में 9 जनवरी से शुरू हुआ पशु मेला रविवार को संपन्न हो गया। इस मेले में सुनारियां गांव के पशुपालक कर्मबीर सिंह अपने साढ़े तीन साल के बुल जोरावर को लेकर पहुंचे थे। कर्मबीर सिंह ने बताया कि उन्होंने जोरावर को करीब दो साल पहले सवा लाख रुपये में खरीदा था जब उसकी उम्र डेढ़ साल थी।

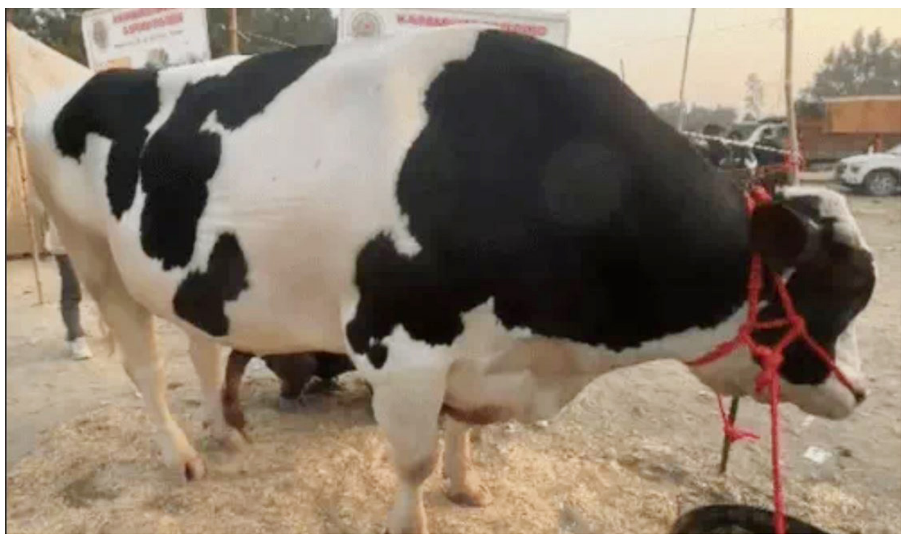
1,500 किलो का बुल जोरावर। - समर न्यूज़

कर्मबीर सिंह के अनुसार, अब तक जोरावर के सीमन से करीब 30 हजार बछड़े और बछिया पैदा हो चुके हैं। इसके सीमन से तैयार बछिया पहली ही बियात में 30 लीटर तक दूध देने की क्षमता रखती है। हर साल जोरावर से 20 से 25 हजार सीमन डोज तैयार किए जाते हैं, जिन्हें केबीएफ बैंक में सुरक्षित रखा जाता है। हाल ही में पशु व्यापारियों ने इसकी कीमत 5 लाख रुपये तक लगाई, लेकिन मालिक इसे बेचने के लिए तैयार नहीं हैं।

मां का 67 लीटर दूध का रिकॉर्ड

जोरावर की मां का दूध उत्पादन भी रिकॉर्डधारी रहा है। कर्मबीर सिंह ने बताया कि उसकी मां ने एक दिन में 67.3 लीटर दूध देने का रिकॉर्ड बनाया था। यह रिकॉर्ड पी-किल्ड परीक्षण के दौरान दर्ज हुआ, जिसमें हर 8 घंटे में दूध निकाला जाता है। जोरावर की मां हिमाचल प्रदेश के बद्दी क्षेत्र के एक पशुपालक के पास थी।

खास देखभाल और डाइट

जोरावर की सेहत और फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उसे रोजाना शाम के समय 2 किलोमीटर की सैर कराई जाती है। गर्मियों में दिन में दो बार नहलाया जाता है। बैठने के लिए गद्दा और ठंडक के लिए कूलर की व्यवस्था भी की गई है। उसकी डाइट में दिन में तीन बार हरा चारा, 12 किलो दाना, 5 लीटर दूध और मल्टीविटामिन की गोलियां शामिल हैं। उसकी देखभाल के लिए अलग से केयरटेकर नियुक्त है।

मेरठ मेले में रह चुका है चैंपियन

जोरावर उत्तर प्रदेश के मेरठ में आयोजित पशु मेले में भी चैंपियन रह चुका है। वहां आयोजित ब्यूटी कॉन्टेस्ट में सैकड़ों बुलों के बीच उसकी बनावट और खूबसूरती के आधार पर उसे पहला पुरस्कार मिला था। जोरावर, देशभर में मशहूर 9 करोड़ रुपये के भैंसे युवराज के साथ ही पला-बढ़ा है। युवराज की दो महीने पहले 23 वर्ष की उम्र में मौत हो गई थी। युवराज 29 बार राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मेलों में चैंपियन रहा था। उसके सीमन से करीब 2 लाख कटड़े और कटड़ियां पैदा हुई थीं।

कर्मबीर सिंह युवराज से हर साल करीब 80 लाख रुपये की कमाई करते थे। हिसार स्थित राष्ट्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र में युवराज की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। कुल मिलाकर, कुरुक्षेत्र पशु मेले में बुल जोरावर न केवल आकर्षण का केंद्र बना, बल्कि उन्नत पशुपालन और पशु नस्ल सुधार का बेहतरीन उदाहरण भी पेश करता नजर आया।

मनरेगा में बदलाव को लेकर कांग्रेस का सांकेतिक उपवास

विरोध प्रदर्शन में बैठे कांग्रेस कार्यकर्ता। - समर न्यूज़

सुन्दर कुंडू | पलवल
समर न्यूज़

पलवल के गांधी आश्रम में रविवार को कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर वीबी जी राम जी करने और उसमें किए गए बदलावों के विरोध में एक दिवसीय सांकेतिक उपवास रखा। उपवास में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, हथीन विधायक मोहम्मद इजराइल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष नेत्रपाल अधाना, प्रेम दलाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। उदयभान ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर कर गरीबों के साथ अन्याय किया गया है। उन्होंने जी राम जी योजना को विफल और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली बताया। विधायक मोहम्मद इजराइल और नेत्रपाल अधाना ने मनरेगा को पूर्ण रूप से बहाल करने की मांग की।

ऐतिहासिक जाखू मंदिर में जल्द होगा व्यापक जीर्णोद्धार

जीर्णोद्धार पर 5 करोड़ 67 लाख 14 हजार 944 रुपये खर्च होगा, आधुनिक सुविधाओं के साथ संवरेगा आस्था का प्राचीन केंद्र

संजू। शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में स्थित ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध जाखू हनुमान मंदिर में शीघ्र ही बड़े स्तर पर जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य आरंभ होने जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। मंदिर के जीर्णोद्धार पर लगभग 5 करोड़ 67 लाख 14 हजार 944 रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है। अब यह प्रस्ताव नगर निगम शिमला के माध्यम से मंत्रिमंडल की अंतिम स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस पूरे जीर्णोद्धार कार्य का खर्च मंदिर न्यास द्वारा अपने संसाधनों से वहन किया जाएगा। बीते वर्षों में जाखू मंदिर में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। सीमित सुविधाओं और बढ़ते दबाव के कारण मंदिर प्रबंधन को व्यवस्थाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को आकार दिया गया है।

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर परिसर में कई नए निर्माण और सुधार कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें यज्ञशाला का निर्माण, शू हाउस, भंडारा भवन, हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के सामने क्षेत्र का विस्तार, पार्क का जीर्णोद्धार, मंदिर कार्यालय का नवीनीकरण, कीर्तन भवन में रेलिंग का निर्माण और सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत शामिल है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिसर में छह नई दुकानें तथा बच्चों के लिए एक पार्क भी विकसित किया जाएगा।

यह मंडप आधारित संरचना होगी, जिसमें 16 स्तंभ, 32 छत सहायक कॉलम, वेदी, गंडूक, तोरण, ध्वज और पताकाएं शामिल होंगी। यह यज्ञशाला धार्मिक अनुष्ठानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगी।नया शू हाउस भी बनाया जाएगा। लगभग 22.41 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस शू हाउस में आधुनिक काउंटर, शू रैक और टोकन प्रणाली की सुविधा होगी। इसके अलावा पार्किंग समस्या के समाधान के लिए नई पार्किंग का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिस पर करीब 40 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। जाखू मंदिर का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशेष है। मंदिर के पुजारी बी.पी. शर्मा ने बताया कि जाखू मंदिर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। मान्यता है कि संजीवनी बूटी लाने जाते समय भगवान हनुमान यहां रुके थे और इसी स्थान पर उन्होंने यक्ष ऋषि से मार्गदर्शन प्राप्त किया था। समुद्र तल से लगभग 8,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर उत्तर भारत के प्रमुख हनुमान मंदिरों में गिना जाता है। जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने के बाद जाखू मंदिर न केवल अपनी ऐतिहासिक और धार्मिक गरिमा को और अधिक सुदृढ़ करेगा, बल्कि श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ एक समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव भी प्रदान करेगा।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

सुभाष। बिलासपुर
समर न्यूज़

केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलने के फैसले के विरोध में रविवार को कांग्रेस ने जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और निर्णय को ग्रामीण एवं मजदूर विरोधी करार दिया।

पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर ने कहा कि नरेगा योजना की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार द्वारा ग्रामीण गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत मजदूरों को उनके घर के पास या अपने गांव में ही 100 दिन का रोजगार मिलता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।रामलाल ठाकुर ने आरोप लगाया कि वर्तमान केंद्र सरकार ने न केवल योजना के मूल उद्देश्य के साथ छेड़छाड़ की है, बल्कि राज्यों पर वित्तीय दबाव भी बढ़ा दिया है। पहले इस योजना में केंद्र सरकार का योगदान 90 प्रतिशत और राज्य सरकार का 10 प्रतिशत होता था, लेकिन अब केंद्र ने इस हिस्सेदारी को घटाकर राज्यों का 40 प्रतिशत कर दिया है। इसका सीधा असर गरीब मजदूरों को मिलने वाले लाभ पर पड़ा है और राज्यों की वित्तीय स्थिति पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा के नाम बदलने और राज्यों पर बढ़ाए गए बोझ के खिलाफ लगातार विरोध करती रहेगी।

सीएम की टिप्पणी न्यायपालिका का अपमान

पंचायत चुनावों पर हाईकोर्ट का फैसला लोकतंत्र की जीत : डॉ. राजीव

संजू । शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने पंचायती राज चुनावों को लेकर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र, संविधान और ग्रामीण हिमाचल की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का निर्णय प्रदेश के गांवों में रहने वाली जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाला और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त करने वाला है, जिसे प्रदेशभर में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। डॉ. बिंदल ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले पर मुख्यमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और आपत्तिजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया गया है, वह न केवल न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से ऐसी भाषा की अपेक्षा नहीं की जा सकती। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सर्वविदित है कि राज्य चुनाव आयोग ने दिसंबर और जनवरी माह में पंचायती राज चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली थीं। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने चुनाव टालने के उद्देश्य से बार-बार बाधाएं उत्पन्न कीं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का प्रयास किया। जब यह मामला उच्च न्यायालय के समक्ष पहुंचा, तो न्यायालय ने संविधान और जनता के पक्ष में स्पष्ट फैसला सुनाया। डॉ. बिंदल ने कहा कि न्यायालय के निर्णय पर अनर्गल टिप्पणियां करना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि यह संवैधानिक संस्थाओं के बीच टकराव पैदा करने का प्रयास भी है। उन्होंने कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि वह न्यायालय के आदेशों का सम्मान करे और पंचायती राज चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराए।

केंद्र ने गरीबों का हक छीना: हमीरपुर कांग्रेस

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज़

केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना को समाप्त कर जी राम जी कानून लागू करने के विरोध में हमीरपुर कांग्रेस ने गांधी चौक पर एक दिन का अनशन आयोजित किया। इस आंदोलन में कांग्रेस नेता और मनरेगा से जुड़े लोग शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की गारंटी प्रदान करती थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे समाप्त कर गरीबों का हक छीना है। अनशन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

कांग्रेस का यह अनशन केवल सांकेतिक नहीं है, बल्कि भविष्य में जन आंदोलन में बदल सकता है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि वे पंचायत स्तर पर जाकर ग्रामीण जनता के साथ संवाद करेंगे और मनरेगा के महत्व को लोगों तक पहुंचाएंगे। यह अभियान प्रदेश भर में रविवार तक चलेगा।

कांग्रेस की आपत्ति राजनीति से प्रेरित: जंवाल

कहा-रोजगार मिशन को लेकर हिमाचल में भ्रम फैला रही है कांग्रेस

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जंवाल ने केंद्र सरकार की जी-राम-जी योजना को लेकर कांग्रेस द्वारा जताई जा रही आपत्तियों पर तीखा हमला बोला है। सुंदरनगर स्थित संगठनात्मक जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रोजगार से जुड़ी केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर कांग्रेस केवल नाम को लेकर राजनीति कर रही है, जबकि असल मुद्दा ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करना है।

राकेश जंवाल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में सुधार करते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी जी-राम-जी अधिनियम 2025 के रूप में नया स्वरूप दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में पहले भी कई रोजगार योजनाओं के नाम बदले गए और उनमें समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। वर्ष 2005 से पहले एनआईपी, आईआरडीपी, जेआरवाई और एसजीएसवाई जैसी योजनाएं संचालित होती रही हैं, जिन्हें बदलकर मनरेगा लागू किया गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है कि वह हर बड़े राष्ट्रीय निर्णय और योजना का विरोध करती है। चाहे राम मंदिर निर्माण हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का फैसला हो या अब रोजगार से जुड़ी नई योजना-कांग्रेस हमेशा विरोध की राजनीति करती आई है। जंवाल ने कहा कि भगवान राम के नाम से कांग्रेस को आपत्ति जताना उसकी मानसिकता को दर्शाता है।

प्रदेश भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि देश में जब भी कोई आपदा, दुर्घटना या विकास से जुड़ा निर्णय सामने आता है, कांग्रेस उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखती है। सिरमौर जिले में हाल ही में हुई बस दुर्घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। केंद्र सरकार ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि तत्काल देने की घोषणा की है। प्रेसवार्ता में राकेश जंवाल ने मंडी जिले के बल्ह क्षेत्र में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को लेकर भी कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुख्खू और कांग्रेस नेताओं को मंडी एयरपोर्ट की याद आने लगी है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मंडी में एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने इसकी संभावनाओं को पूरी तरह नकार दिया।

राष्ट्रीय 'समृद्धि' प्रतियोगिता में हिमाचल का प्रतिनिधि

धर्मवीर। मंडी
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है कि मंडी जिले के एक समर्पित और प्रतिभाशाली शिक्षक का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित 'समृद्धि' प्रतियोगिता 2025-26 के लिए हुआ है। मंडी जिला स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला समौर में कार्यरत संजय कुमार, टीजीटी (मेडिकल), को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह जानकारी शिक्षा विभाग के राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से दी गई है। राष्ट्रीय स्तर की 'समृद्धि' प्रतियोगिता का आयोजन 27 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर, ओडिशा में किया जाएगा।

मनरेगा के नाम परिवर्तन के विरोध में कांग्रेस का 'मनरेगा बचाओ संग्राम'

शिमला में गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन

संजू | शिमला
समर न्यूज़

केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के नाम में किए गए परिवर्तन के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने देशभर में "मनरेगा बचाओ संग्राम" की शुरुआत की है। इसी कड़ी में शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौन प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

धरना-प्रदर्शन की अगुवाई शिमला शहर कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं के हाथों में "मनरेगा बचाओ" लिखी तख्तियां नजर आईं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार रोजगार से जुड़ी इस अहम योजना की मूल भावना को कमजोर कर रही है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि मनरेगा में किया गया बदलाव दुर्भाग्यपूर्ण है और यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सोच के विपरीत है। उन्होंने कहा कि आज देश की युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिला है कि कौन-सी विचारधारा गांधी के सिद्धांतों के खिलाफ खड़ी है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को लेकर गांव-गांव तक जाएगी और आम जनता को इस बदलाव के दुष्प्रभावों से अवगत कराएगी। वहीं, शिमला शहर कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में मनरेगा के तहत रोजगार की स्पष्ट गारंटी दी गई थी।

अब केंद्र सरकार द्वारा किए गए बदलाव के बाद न केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया गया है, बल्कि रोजगार की गारंटी की भावना को भी कमजोर किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इस फैसले को लेकर देशभर में आम लोगों के बीच रोष है।इंद्रजीत सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी "मनरेगा बचाओ संग्राम" के माध्यम से घर-घर जाकर केंद्र सरकार की इस नीति के खिलाफ जनता को जागरूक करेगी।

रिटायर्ड सैनिक वीरेंद्र सिंह बने सफल किसान

हमीरपुर जिले के गांव कोटलू में सब्जी और मशरूम उत्पादन से हर साल अच्छी कमाई

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर ज़िले के गांव कोटलू के सेवानिवृत्त सैनिक वीरेंद्र सिंह ने यह साबित कर दिया है कि अगर मेहनत, सही योजना और सरकारी सहयोग मिल जाए, तो खेती को भी लाभ का बड़ा साधन बनाया जा सकता है। थल सेना से रिटायर होने के बाद वीरेंद्र सिंह ने पारंपरिक खेती के बजाय नकदी फसलों को अपनाने का फैसला किया और आज वह हर सीजन में 4 से 5 लाख रुपये तक की सब्जियों की बिक्री कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में भी कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए शुरू की गई योजनाओं का लाभ उठाकर वीरेंद्र सिंह ने अपनी पुश्तैनी जमीन को आय का मजबूत स्रोत बना लिया है। रिटायरमेंट के बाद उनका उद्देश्य था कि वे घर पर रहकर सम्मानजनक और स्थायी आय अर्जित कर सकें। शुरुआत में उन्हें सिंचाई व्यवस्था और खेतों की जुताई जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन कृषि और बागवानी विभाग की सब्सिडी योजनाओं की जानकारी मिलने के बाद उनकी राह आसान हो गई।

सरकारी सहायता से सिंचाई और खेती के संसाधन जुटाने के बाद वीरेंद्र सिंह ने सब्जियों की खेती शुरू की। आज वे अलग-अलग मौसम में फूल गोभी, मटर, टमाटर, प्याज, लहसुन और अन्य सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। वर्तमान समय में उनके लगभग तीन कनाल खेत में मटर की फसल लहलहा रही है, जिससे उन्हें 10 से 12 क्विंटल तक पैदावार की उम्मीद है। पिछले सीजन में उन्होंने करीब 25 क्विंटल फूल गोभी का उत्पादन किया, जिसे हमीरपुर सब्जी मंडी में 40 रुपये प्रति किलो तक के दाम मिले।

वीरेंद्र सिंह बताते हैं कि सब्जी उत्पादन से उन्हें सालाना 4 से 5 लाख रुपये की आमदनी हो जाती है। अपनी आय को और बढ़ाने के लिए उन्होंने खेती में विविधता लाने का फैसला किया। इसके तहत उन्होंने मुर्गी पालन और बकरी पालन शुरू किया है। इसके अलावा तीन महीने पहले ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) से मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने घर पर ही मशरूम की खेती शुरू की।

उन्होंने 150 बैगों में मशरूम का उत्पादन किया, जिसकी पहली फसल ही 11 हजार रुपये में बिक गई। वीरेंद्र सिंह का कहना है कि किसान और बागवान अगर सरकार की योजनाओं का सही ढंग से लाभ उठाएं और नकदी फसलों की ओर बढ़ें, तो खेती से अच्छी आय संभव है। गांव कोटलू के इस पूर्व सैनिक की सफलता आज युवाओं और किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है।

आजीविका

राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत भीमा देवी के स्वरोजगार को मिली नई दिशा

स्वयं सहायता समूह बना मददगार, भीमा देवी ने बढ़ाया अपना स्वरोजगार

धर्मवीर। मंडी
समर न्यूज़

स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्वरोजगार अपनाकर सुंदरनगर शहर निवासी भीमा देवी ने आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। भीमा देवी पहले सिलाई का छोटा-मोटा काम करती थीं। काम कम मिलने के कारण आमदनी भी सीमित थी। इसी बीच राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत वे राधे मुकुंद स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया।

भीमा देवी ने बताया कि समूह को पहले 10 हजार रुपये का रिवॉल्विंग फंड मिला, जिससे उन्हें प्रारंभिक सहायता मिली। इसके बाद समूह को 8 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। समूह में कुल 8 सदस्य हैं और सभी को एक-एक लाख रुपये की राशि मिली, जिससे उन्होंने सिलाई मशीनें और आवश्यक उपकरण खरीदे।

भीमा देवी के अनुसार वर्तमान में वह सिलाई कार्य से प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपये तक की आमदनी अर्जित कर रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक रूप से मदद कर पा रही हैं। इतना ही नहीं, उनके पास कई लड़कियां सिलाई कार्य सीखने आती हैं, जिससे वे भी आगे चलकर अपना स्वरोजगार शुरू कर रही हैं।

भीमा देवी ने बताया कि शुरुआत में समूह की महिलाएं 500 रुपये प्रतिमाह की बचत करती थीं, जिसे बाद में बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया गया है। वर्तमान में समूह की कुल बचत लगभग 2 लाख रुपये हो चुकी है, जिससे सभी सदस्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। भीमा देवी ने अपील की कि जो महिलाएं अपने बूते पर कुछ करना चाहती हैं, उनके लिए स्वयं सहायता समूह एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं।

114 स्वयं सहायता समूहों को साढ़े तीन करोड़ रुपए की मदद

नगर परिषद सुंदरनगर क्षेत्र में वर्ष 2016 से लेकर वर्तमान तक 114 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है। इन समूहों को सरकार द्वारा लगभग 3.50 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता अब तक प्रदान की गई है। 114 में से 41 स्वयं सहायता समूहों की क्रेडिट लिंकेज करवाई जा चुकी है।

ऊना में सुक्खू सरकार पर बरसे नेता प्रतिपक्ष

व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर व्यवस्था पतन: ठाकुर

समर न्यूज़ | ऊना

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज ऊना प्रवास के दौरान प्रदेश की सुक्खू सरकार के विरुद्ध तीखा हमला बोला। अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए ठाकुर ने सरकार को कानून-व्यवस्था, आर्थिक कुप्रबंधन और लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन जैसे मुद्दों पर जमकर घेरा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में आज "सुख की सरकार" के नारे के विपरीत कोई भी सुखी नहीं है और चारों ओर व्याप्त अराजकता "व्यवस्था पतन" की गवाही दे रही है। ऊना पार्टी आफिस में आयोजित प्रेस वार्ता की शुरुआत में जयराम ठाकुर ने मानवीय संवेदनाएं व्यक्त करते हुए हाल ही में हुए दर्दनाक हादसों पर गहरा शोक प्रकट किया। उन्होंने ऊना के दौलतपुर में एक ही सड़क दुर्घटना में परिवार के चार सदस्यों की मृत्यु को अत्यंत हृदयविदारक बताया। ठाकुर ने कहा कि पूरी भाजपा इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है। इसके साथ ही, उन्होंने सिरमौर के हरिपुर धार में हुए बस हादसे पर चिंता जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन दोनों हादसों के प्रभावितों को तत्काल पर्याप्त आर्थिक सहायता और उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए।ठाकुर ने सुक्खू सरकार को हर मोर्चे पर विफल करार देते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल की शांति आज भंग हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में गोलीबारी और जघन्य अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि शासन-प्रशासन पर मुख्यमंत्री का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है।

आर्थिक स्थिति पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हिमाचल प्रदेश आज अपने इतिहास के सबसे बड़े वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, "सरकार प्रदेश को विकास की राह पर ले जाने के बजाय केवल भारी-भरकम कर्ज ले रही है। यह कर्ज विकास कार्यों के लिए नहीं, बल्कि सरकार की अपनी सुख-सुविधाओं और फिजूलखर्ची पर व्यय हो रहा है, जो राज्य के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है।"

युवाओं के मुद्दे पर ठाकुर ने सरकार को चुनावी वादों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले 5 लाख नौकरियों का सब्जबाग दिखाने वाली कांग्रेस आज युवाओं को भूल चुकी है।

मेयर चुनाव से पहले बीजेपी पार्षद की भाभी की गिरफ्तारी पर हंगामा

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की कोशिश की, आम आदमी पार्टी के खिलाफ की नारेबाजी

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक माहौल उस वक्त और गर्मा गया, जब वार्ड नंबर-4 की भाजपा पार्षद सुमन शर्मा की भाभी कोमल शर्मा को मोहाली पुलिस ने रविवार तड़के चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। कोमल शर्मा की गिरफ्तारी पंजाब वाटर सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड से जुड़े कथित फर्जीवाड़े के मामले में की गई है। गिरफ्तारी की खबर मिलते ही भाजपा में आक्रोश फैल गया। चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा समेत कई भाजपा पार्षद मनीमाजरा पुलिस स्टेशन के बाहर पहुंच गए और पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक दबाव में की गई है और इसे उन्होंने "सरेआम गुंडागर्दी" करार दिया।

भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्षद सुमन शर्मा कुछ दिन पहले ही आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं और उसी का बदला लिया जा रहा है। उनका आरोप है कि शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे मामला दर्ज किया गया और कुछ ही घंटों के भीतर रविवार अलसुबह पुलिस घर में घुसकर गिरफ्तारी कर ले गई। परिवार को यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई कि गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है।

FIR और आरोप

मामले में मोहाली के थाना सोहाना में FIR दर्ज की गई है। यह शिकायत पंजाब वाटर सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड, सेक्टर-27 चंडीगढ़ में तैनात MPGA लता चौहान की ओर से दी गई। FIR भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5) के तहत दर्ज की गई है।

पुलिस जांच करती हुई। - समर न्यूज़

शिकायत के अनुसार, मनीमाजरा के सुभाष नगर की रहने वाली कोमल शर्मा आउटसोर्स आधार पर क्लर्क के पद पर कार्यरत थीं। उनकी ड्यूटी चेयरमैन के कैंप ऑफिस, सेक्टर-76 मोहाली में थी। आरोप है कि दिसंबर 2025 से वह ड्यूटी पर उपस्थित नहीं थीं, इसके बावजूद नियमित रूप से हाजिरी रिपोर्ट मुख्य कार्यालय भेजी जाती रही और उसी आधार पर वेतन भी लिया जाता रहा। जब दिसंबर माह की हाजिरी रिपोर्ट समय पर नहीं पहुंची तो मामले की जांच की गई। जांच में सामने आया कि कर्मचारी लंबे समय से गैरहाजिर थी, लेकिन रिकॉर्ड में उसकी उपस्थिति दर्ज थी। इसके बाद सक्षम अधिकारियों के निर्देश पर मामला पंजाब विजिलेंस ब्यूरो को भेजा गया, जो आगे चलकर एसएसपी मोहाली तक पहुंचा और FIR दर्ज की गई।

देर रात केस, सुबह गिरफ्तारी

एफआईआर दर्ज होने के करीब 7–8 घंटे के भीतर ही मोहाली पुलिस रविवार सुबह करीब सात बजे चंडीगढ़ के आईटी पार्क पहुंची। पुलिस ने पहले स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचना दी और इसके बाद कोमल शर्मा को गिरफ्तार कर मोहाली ले गई। भाजपा का आरोप है कि इतनी जल्दबाजी में कार्रवाई की गई कि परिवार को भी पूरे मामले की जानकारी नहीं दी गई।

भाजपा का सियासी आरोप

भाजपा पार्षद सौरभ जोशी ने कहा कि देर रात केस दर्ज कर सुबह घर से उठाना पूरी तरह से साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब पुलिस गैंगस्टरों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही, जबकि आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। मामले के विरोध में भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया।

मिठाई दुकानदार और उसके दोस्त पर जानलेवा हमला

समर न्यूज़ | जीरकपुर

भबात रोड पर कुछ युवकों ने एक मिठाई दुकानदार और उसके दोस्त पर धारदार हथियारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत चार अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में भबात रोड स्थित शिवा एन्क्लेव, जीरकपुर निवासी फल कारोबारी राजकुमार ने बताया कि उनके भाई राज बहादुर भबात रोड पर मिठाई की दुकान चलाते हैं। घटना वाले दिन दोपहर करीब 2:30 बजे राज बहादुर दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान उनका दोस्त फतेह उनसे मिलने दुकान पर पहुंचा।

राजकुमार के अनुसार, तभी एक कार दुकान के सामने आकर रुकी, जिसमें 6 से 7 युवक सवार थे। आरोप है कि सभी युवक चाकू, लोहे की रॉड और बीयर की बोतलों से लैस थे। कार से उतरते ही आरोपियों ने राज बहादुर और फतेह पर हमला कर दिया। हमलावरों ने राज बहादुर के सिर पर बीयर की बोतल से वार किया, जबकि फतेह के साथ लात-घूंसे और हथियारों से बेरहमी से मारपीट की गई। दुकान से चीख-पुकार सुनकर राजकुमार मौके पर पहुंचा और शोर मचाया। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल राज बहादुर और फतेह को पहले आशीर्वाद अस्पताल, जीरकपुर ले जाया गया। हालत गंभीर होने के चलते दोनों को सिविल अस्पताल फेज-6, मोहाली रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद दोनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन 9 जनवरी 2026 को उनकी तबीयत दोबारा बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें फिर से सिविल अस्पताल फेज-6, मोहाली में भर्ती कराया गया।

मनरेगा को लेकर चंडीगढ़ में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

केंद्र सरकार को चेतावनी; देशव्यापी आंदोलन का ऐलान, महिलाओं ने भी दिया समर्थन

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को लेकर रविवार को चंडीगढ़ में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष लकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए और केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गरीबों के कल्याण के बजाय उनके अधिकारों को कमजोर कर रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनरेगा से जुड़े हालिया फैसलों को वापस लेने की मांग की और भाजपा विरोधी नारे लगाए। चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष लकी ने कहा कि मनरेगा गरीबों को रोजगार और सम्मान देने की योजना है, लेकिन भाजपा सरकार इसके नाम और स्वरूप के साथ छेड़छाड़ कर गरीबों के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबों के हक की लड़ाई के लिए सड़क पर उतरी है और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और

प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता। - समर न्यूज़

तेज किया जाएगा। लकी ने चेतावनी दी कि यदि गरीबों को उनका पूरा हक नहीं मिला, तो कांग्रेस उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी और डटकर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ चंडीगढ़ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देशभर में कांग्रेस इसके खिलाफ आंदोलन करेगी। उधर, पंजाब में भी मनरेगा को लेकर सियासत गरमाई हुई है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही मनरेगा से जुड़े मुद्दों पर विरोध जता रही हैं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने घोषणा की है कि भाजपा के पंजाब स्थित नेताओं के घरों का घेराव किया जाएगा और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन व रैलियां आयोजित की जाएंगी।

महिलाओं ने दिया समर्थन : राजपुर में आयोजित एक रैली के दौरान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने मंच से महिलाओं से आंदोलन में साथ देने की अपील की। उन्होंने पूछा कि क्या महिलाएं सड़क जाम करने और भाजपा नेताओं के घरों का घेराव करने को तैयार हैं। इस पर पंडाल में मौजूद महिलाओं ने हाथ उठाकर कांग्रेस के साथ खड़े होने का समर्थन जताया। कांग्रेस नेताओं ने साफ किया कि जब तक गरीबों को उनका पूरा अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक पार्टी का विरोध और आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

मेयर का चुनाव पांच साल के लिए और सीधे जनता से हो : पवन बंसल

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर का चुनाव पांच साल के लिए और सीधे जनता द्वारा कराया जाना चाहिए। यह मांग पूर्व रेल मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन बंसल ने एक मीडिया एजेंसी से बातचीत में उठाई। उन्होंने कहा कि नगर निगम को संविधान में दिए गए अधिकार आज तक पूरी तरह नहीं मिले हैं। बंसल के अनुसार किसी भी स्थानीय निकाय के लिए फंक्शन, फंड और फंक्शनरी जरूरी हैं, लेकिन चंडीगढ़ नगर निगम को न तो पर्याप्त फंड मिलता है और न ही प्रशासनिक नियंत्रण। उन्होंने आरोप लगाया कि यूटी प्रशासन अधिकांश फंड अपने पास रखता है, जिससे निगम पर अतिरिक्त टैक्स लगाने का दबाव बनता है। बंसल ने हर साल होने वाले मेयर चुनावों को लोकतंत्र के खिलाफ बताते हुए कानून में संशोधन की मांग की। उन्होंने कहा कि सीधे चुना गया मेयर अधिक सशक्त और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

क्राइम ब्रांच की वाहन चोरी के मामलों पर बड़ी कार्रवाई

चार वाहन चोर गिरफ्तार, 17 दोपहिया वाहन बरामद

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

क्राइम ब्रांच ने वाहन चोरी के मामलों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 17 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं और शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज 13 मोटर व्हीकल चोरी के मामलों का खुलासा किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंजाब के जिला मलेरकोटला के गांव बदला निवासी रणबीर सिंह, चंडीगढ़ के खुड्डा लाहौरा निवासी मनजीत उर्फ सुजल, मुल्लापुर निवासी विजय कुमार और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इनमें से कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि एक आरोपी का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं पाया गया।

क्राइम ब्रांच को वाहन चोरी गिरोह की गतिविधियों को लेकर गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद करीब 20 पुलिसकर्मियों की टीम गठित

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। - समर न्यूज़

कर निगरानी बढ़ाई गई। कार्रवाई के दौरान चंडीगढ़ के अलग-अलग इलाकों से तीन आरोपियों और एक नाबालिग को दबोचा गया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए वाहन बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक बरामदगी से जुड़े अधिकतर मामले भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) और 317(2) के तहत दर्ज पाए गए हैं, जबकि कुछ वाहन BNSS की धारा 106 के तहत भी बरामद किए गए हैं।

इस कार्रवाई से मलोया पुलिस स्टेशन, थाना-3, थाना-11, थाना-17, थाना-34, थाना-36, थाना-39, आईटी पार्क और सारंगपुर सहित कई थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। बरामद वाहनों में एक्टिवा स्कूटर, स्प्लेंडर, प्लेटिना और अन्य मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के नेटवर्क और अन्य संभावित मामलों की जांच जारी है।

रिन्यूएबल एनर्जी–ईवी एक्सपो हुआ संपन्न

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा क्रेस्ट व इवेंटेज के साथ मिलकर आयोजित किए जा रहे चौथे आरईवी एक्सपो का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चेप्टर के चेयर रजनीश बंसल ने एक्सपो में आए हुए उद्यमियों, कारोबारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से सस्टेनेबल डेवलपमेंट, क्लीन एनर्जी अपनाने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए चैंबर की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

इस मौके पर सोलर उद्योगपति दिनकर सैली, अनुज जैन, सोरभ शर्मा, विजय कुमार, सोलर आर्डेंट एसोसिएशन भी मौजूद थे।

इस अवसर पर बेस्ट डिस्प्ले का

पीएचडीसीसीआई के सदस्य। - समर न्यूज़

सम्मान दिनकर,बेस्ट डिस्प्ले रनर अप पुरस्कार मिलेनियम,बेस्ट फुटफॉल मैवरिक्स,बेस्ट फुटफॉल रनर अप डेये वाथुट,इलेक्ट्रिक व्हीकल में बेस्ट इनोवेशन महिंद्रा,बैटरी टेक्नोलॉजी में बेस्ट इनोवेशन का सम्मान वोल्ट्रा को दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए पीएचडीसीसीआई के रेजिडेंट निदेशक गुरदर्शन अग्रवाल ने कहा कि एक्सपो में शानदार बातचीत, नॉलेज-शेयरिंग सेशन और काम की नेटवर्किंग हुई, जो भारत में रिन्यूएबल एनर्जी और ईवी सेक्टर की बढ़ती रफ्तार को दिखाता है। पिछले तीन दिनों के भीतर यहां सिटी ब्यूटीफुल के हजारों लोगों ने भ्रमण किया है। यहां क्रेस्ट के अधिकारियों ने जहां विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी वहीं सोलर तथा ईवी क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों का विस्तार किया जाएगा।

मनरेगा कानून में बदलाव के विरोध में कांग्रेस का सांकेतिक उपवास

समर न्यूज़ | पंचकूला

मनरेगा का नाम और कानून बदले जाने के विरोध में कांग्रेस ने महात्मा गांधी चौक पर एक दिन का सांकेतिक उपवास रखा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के फैसलों पर सवाल उठाते हुए मनरेगा बचाओ अभियान के तहत आगे भी आंदोलन जारी रखने की घोषणा की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा में किए गए बदलावों से गांवों के गरीब और मजदूर सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। इसी कारण कांग्रेस ने अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया।

जिला अध्यक्ष संजय चौहान की अगुवाई में महात्मा गांधी चौक पर जुटे कांग्रेसी नेताओं ने सरकार पर तीखे आरोप लगाए। चौहान ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक दिन तक सीमित नहीं है, बल्कि

विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता। - समर न्यूज़

45 दिन तक चलने वाले मनरेगा बचाओ अभियान की शुरुआत है। इस अभियान के तहत अलग-अलग तरीकों से विरोध किया जाएगा और आंदोलन को गांव स्तर तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता हर व्यक्ति को नई स्कीम के बारे में जागरूक करेंगे।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सरकार ने मनरेगा का केवल नाम ही नहीं बदला, बल्कि कानून की मूल भावना से भी छेड़छाड़ की है, जिससे योजना का उद्देश्य कमजोर हो गया है।

इस मौके पर पंचकूला के पूर्व चेयरमैन रविंद्र रावल ने कहा कि कांग्रेस ने मनरेगा के माध्यम से गरीब के घर का चूल्हा जलाने का काम किया था, जबकि आज बीजेपी उसी चूल्हे को बुझाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नई स्कीम में प्रदेशों पर 40 प्रतिशत का आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। रावल ने कहा कि राज्य पहले से ही कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। ऐसे में उनके पास योजना को लागू करने के लिए अतिरिक्त संसाधन कहां से आएंगे। उन्होंने हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों की माली हालत का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में योजना में बदलाव पर पुनर्विचार की जरूरत है।

माता मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया 36 यूनिट्स रक्त एकत्र

समर न्यूज़ | मोहाली

विश्वास फाउंडेशन ने गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड व इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा पंचकूला के सहयोग से माता मनसा देवी परिसर में रक्तदान शिविर लगाया।

रक्त लेने से पहले डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं का चेकअप किया, डॉक्टरों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होती है। बल्कि रक्तदान करने से व्यक्ति को गर्व महसूस होता है। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि शिविर में ब्लड बैंक सिविल अस्पताल सेक्टर 6 पंचकूला की टीम ने डॉक्टर अमित सम्मी की देखरेख में 36 यूनिट्स रक्त एकत्रित किया।

आवारा सांडों की लड़ाई की चपेट में आए साइकिल सवार की मौत

समर न्यूज़ | डेराबस्सी

आवारा पशुओं की चपेट में आकर एक साइकिल सवार प्लम्बर की मौत हो गई। हादसा 22 दिसंबर 2025 की शाम उस समय हुआ, जब बालाजी नगर निवासी 55 वर्षीय सुरिंदर पाल सिंह काम से घर लौट रहे थे। गली के मोड़ पर आपस में लड़ रहे दो आवारा सांडों में से एक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे संतुलन खोकर बिजली के खंभे से जा टकराए। हादसे में उनका एक पैर टूट गया और कई जगह गंभीर चोटें आईं। अस्पताल में कई दिनों के इलाज के बाद शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पंजाब सरकार की एनिमल अटैक कंपनसेशन पॉलिसी के तहत पांच लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। नगर परिषद प्रधान ने आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई तेज करने की बात कही है।

लेबर चौक पर पलटी कूड़ा उठाने वाली गाड़ी

गीला कचरा बाहर भेजने का आरोप, बड़े घोटाले की आशंका

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

सेक्टर-20 स्थित लेबर चौक पर रविवार तड़के करीब 3 बजे नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही सीनियर डिप्टी मेयर जसवीर सिंह बंटी, डिप्टी मेयर तरुण मेहता, आम आदमी पार्टी की पार्षद प्रेमलता और पूर्व मेयर कुलदीप कुमार मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने के बाद नेताओं ने आरोप लगाया कि यह गाड़ी चंडीगढ़ का कूड़ा दूसरे राज्य में ले जाने के लिए रवाना थी। सीनियर डिप्टी मेयर जसवीर सिंह बंटी ने बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जांच की, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि गाड़ी में RDF नहीं बल्कि वेट वेस्ट भरा हुआ था। कचरे में पत्थर, कंकड़, नारियल के छिलके और अन्य गीला कचरा मौजूद था। उन्होंने कहा कि RDF बताकर वेट वेस्ट को

सीनियर डिप्टी मेयर बंटी समेत अन्य पार्षद। - समर न्यूज़

दूसरे राज्य में भेजा जा रहा था, जो नियमों का गंभीर उल्लंघन है। बंटी ने इस पूरे मामले में बड़े स्तर पर घोटाले की आशंका जताते हुए कहा कि इसमें शामिल अधिकारियों और राजनीतिक लोगों की पहचान कर उनका पर्दाफाश किया जाना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सीनियर डिप्टी मेयर ने यह भी बताया कि एक दिन पहले ही पंजाब के मुल्लापुर पुलिस स्टेशन में इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में आरोप है कि चंडीगढ़ के डंपिंग ग्राउंड का कूड़ा पंजाब के न्यू चंडीगढ़ इलाके में गिराया जा रहा था। बंटी ने कहा कि इस मामले में ड्राइवरों को जिम्मेदार ठहराना गलत है, क्योंकि वे केवल आदेशों का पालन कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि कूड़ा बाहर गिराने या दूसरे राज्य में भेजने का आदेश किसने दिया।

सुविधा | शाकाहारी और सर्वाहारी जीवों को गुड़, शहद और गन्ना दिया जा रहा

छतबीड़ चिड़ियाघर में वन्य जीवों के लिए विशेष इंतजाम

समर न्यूज़ | जीरकपुर

उत्तर भारत में शीतलहर और लगातार गिरते तापमान को देखते हुए छतबीड़ चिड़ियाघर प्रशासन ने वन्य जीवों और पक्षियों को ठंड से बचाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

चिड़ियाघर में जानवरों के बाड़ों, पिंजरों, खानपान और स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बढ़ती सर्दी के मद्देनजर जानवरों की डाइट में भी बदलाव किया गया है। शाकाहारी और सर्वाहारी जीवों को गुड़, शहद और गन्ना दिया जा रहा है, जबकि मांसाहारी जानवरों को सामान्य से अधिक मांस उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उन्हें पर्याप्त ऊर्जा मिले और शरीर में गर्माहट बनी रहे।

ठंड से बचाव के लिए बंद पिंजरों में पराली और तूड़ी बिछाई गई है, जिससे जानवर ठंडे फर्श के सीधे

चिड़ियाघर में जानवर। - समर न्यूज़

संपर्क में न आएं। खुले बाड़ों में रहने वाले हिरण जैसे जीवों के लिए सूखी घास का विशेष प्रबंध किया गया है। बाघ, शेर और अन्य बिल्ली प्रजाति के मांसाहारी जानवरों के नाइट शेल्टर में रूम हीटर और हीट कन्वेक्टर्स लगाए गए हैं। ठंडी हवाओं से सुरक्षा के लिए पिंजरों को फाइबर और पॉलिथीन शीट से ढका गया है। कमजोर, बीमार और उम्रदराज जानवरों के लिए अलग से तापमान नियंत्रित व्यवस्था की गई है। पक्षियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनके बाड़ों को फाइबर कपड़े और जूट मैट से सुरक्षित किया गया है, जबकि घोंसलों में पराली और भूसा डाला गया है।

रेंगने वाले जीवों के लिए यूवी लैंप और ऑयल फिन हीटर लगाए गए हैं। वहीं जलचरों के लिए एक्वेरियम हीटर से पानी का तापमान संतुलित रखा जा रहा है।

छतबीड़ चिड़ियाघर के अधिकारी हरपाल सिंह ने बताया कि सर्दियों में तापमान गिरने का सबसे अधिक असर पक्षियों और कमजोर जानवरों पर पड़ता है।

इसे ध्यान में रखते हुए चिड़ियाघर में कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज किया जा सके।

गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक के सेवन से शिशुओं में ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस रोग का खतरा : शोध

नई दिल्ली। एंटीबायोटिक दवाओं के धड़ल्ले से हो रहे प्रयोग को लेकर सरकार पहले ही निर्देश दे चुकी है कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन से बचें।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मन की बात में एंटीबायोटिक दवाओं के हद से ज्यादा इस्तेमाल पर चिंता जताई थी, लेकिन अब एक शोध में सामने आया है कि गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करने से शिशुओं में ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस रोग (जीबीएस) होने का खतरा बढ़ सकता है। ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस रोग बैक्टीरिया की वजह से होता है।

ये आमतौर पर आंत या जननांगों में रहता है लेकिन ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाता है, लेकिन अगर आप गर्भवती हैं, तो एंटीबायोटिक के इस्तेमाल से जीबीएस बैक्टीरिया के होने का खतरा बढ़ जाता है। ये नवजात शिशु को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे नवजात शिशु की रोग प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है और शिशु निमोनिया या बुखार से पीड़ित हो सकता है।

स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और बेल्जियम के एंटवर्प विश्वविद्यालय के एक अंतरराष्ट्रीय दल द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन से डिलीवरी से 4 हफ्ते पहले तक नवजात शिशुओं में जीबीएस रोग का खतरा बढ़ जाता है। अगर गर्भवती महिला तीसरी तिमाही की शुरुआत में एंटीबायोटिक का सेवन करती है, तो डिलीवरी का समय नजदीक आते ही ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस रोग का खतरा बढ़ जाता है। ये महिलाओं के प्रसव को भी प्रभावित करता है।

जर्नल ऑफ इंफेक्शन में प्रकाशित शोध पत्र में शोधकर्ताओं ने कहा, "गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं के संपर्क में आने से प्रसवोत्तर चार सप्ताह के भीतर जीबीएस का खतरा बढ़ सकता है। गर्भावस्था की तीसरी तिमाही का प्रारंभिक चरण संवेदनशीलता की एक महत्वपूर्ण अवधि है, ऐसे में शिशु के संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं की टीम ने राष्ट्रीय रजिस्टरों का उपयोग करते हुए, 2006 से 2016 तक स्वीडन में हुए सभी एकल जन्मों को शामिल किया गया। इसके लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड का उपयोग किया गया। अध्ययन में 1,095,644 जीवित जन्मे एकल शिशुओं में से 24.5 प्रतिशत एंटीबायोटिक दवाओं के संपर्क में आए थे। इनमें से करीब 24.5 प्रतिशत बच्चों को जन्म से पहले एंटीबायोटिक दवाओं का असर झेलना पड़ा था।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह अध्ययन नवजात शिशुओं में जीबीएस रोग के जोखिम के संबंध में प्रसवपूर्व एंटीबायोटिक दवाओं के संपर्क की जांच करने वाला पहला अध्ययन है।

विमेंस HIL : श्राची बंगाल टाइगर्स को हराकर एसजी पाइपर्स ने जीता खिताब

रांची। एसजी पाइपर्स ने शनिवार को फाइनल में रोमांचक 1-1 ड्रॉ के बाद शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से मात देकर विमेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का खिताब अपने नाम किया। एसजी पाइपर्स ने फाइनल की शुरुआत पूरे जोश और इरादे के साथ की, शुरुआती क्वार्टर में हाई प्रेसिंग करते हुए जल्दी ही सर्कल में एंट्री की। इशिका और जुआना कैस्टेलारो अटैक में काफी एक्टिव थीं, जबकि पाइपर्स के मिडफील्ड ने टाइगर्स को समय और जगह देने से रोकने के लिए आक्रामक तरीके से काम किया। लगातार दबाव और कई अटैकिंग प्रयासों के बावजूद, पहला क्वार्टर गोल रहित समाप्त हुआ। श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरे क्वार्टर में लालरेमसियामी के गोल से बढ़त बनाई, जिन्होंने एक शानदार मूव को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। एसजी पाइपर्स ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, धैर्य बनाए रखा और फ्लैंक से हमले जारी रखे। कप्तान नवनीत कौर ने मोर्चा संभाला, सर्कल में घुसकर डिफेंडर्स को चकमा दिया, जिससे पाइपर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए और हाफटाइम से पहले दबाव बनाया, हालांकि बराबरी का गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया। टाइगर्स ने पेनाल्टी कॉर्नर से मौके बनाए, लेकिन पाइपर्स डिफेंस में अनुशासित रहे। दूसरी ओर, एसजी पाइपर्स ने तेज बॉल मूवमेंट और सर्कल में तेज घुसपैठ से टाइगर्स के डिफेंस को लगातार परखा, जिससे मुकाबला अंतिम क्वार्टर में भी बराबरी पर बना रहा।

एसजी पाइपर्स को चौथे क्वार्टर में आखिरकार सफलता मिली। मोमेंटम बनने के साथ, भारतीय ओलंपियन प्रीति दुबे ने 53वें मिनट में करीब से गोल करके अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया और एक रोमांचक फिनिश की शुरुआत की। दोनों टीमों ने अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन रेगुलेशन टाइम 1-1 के स्कोर पर समाप्त हुआ, जिससे फाइनल शूटआउट में चला गया। शूटआउट में, एसजी पाइपर्स ने मजबूत इरादे दिखाए।

गोलकीपर बंसरी सोलंकी ने दबाव में महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि पाइपर्स ने धैर्य बनाए रखते हुए 3-2 से जीत हासिल की। पाइपर्स के कैंपेन का एक खास पहलू भारतीय टैलेंट पर उनका भरोसा था। टीम ने लगातार मुकाबलों में स्टार्टिंग इलेवन में 9 भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया, जो लीग नियमों के तहत ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों की संख्या है।

सोलंकी को टूर्नामेंट की बेस्ट गोलकीपर चुना गया, जबकि सुनेलिता टोप्पो को टूर्नामेंट की अपकमिंग प्लेयर का अवॉर्ड मिला।

यूनाइटेड कप 2026: बेलिंडा बेनसिक का शानदार प्रदर्शन

सिडनी। यूनाइटेड कप मिक्स्ड-जेंडर टेनिस टूर्नामेंट के सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स में बेलिंडा बेनसिक ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत स्विट्जरलैंड पहली बार फाइनल में पहुंचा। बेलिंडा बेनसिक ने सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया और शनिवार को अपनी टीम को एक ऐतिहासिक खिताब के करीब पहुंचा दिया। अब फाइनल में स्विट्जरलैंड का सामना संयुक्त राज्य अमेरिका और पोलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिडनी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के पूर्वानुमान के चलते टूर्नामेंट के आयोजकों ने 30 मिनट पहले ही खेल की शुरुआत कर दी थी।

बेनसिक ने इलिस मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6(0) से हराकर सीजन की अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी और स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद बेल्जियम के केन रोजवॉल एरिना में जिजू बर्ग्स ने स्टैन वावरिंका को 6-3, 6-7(4), 6-3 से मात देकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। स्तानिस्लास वावरिन्का फाइनल सेट के आठवें गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठे, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को मैच खत्म करने का मौका मिला। बेनसिक ने अपने पहले तीन यूनाइटेड कप मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया था। ऐसा लग रहा था कि वह एक और सीधे सेटों में जीत हासिल करेंगी, लेकिन मर्टेंस ने जोरदार वापसी की। बेल्जियम की खिलाड़ी ने निर्णायक सेट में 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 6-5 पर सर्विस करते हुए जीत से सिर्फ दो अंक दूर रह गईं। हालांकि, बेनसिक ने नया रैकेट लिया और दो घंटे 37 मिनट के बाद मैच के आखिरी नौ अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ बेनसिक ने इलिस मर्टेंस से साल 2011 की हार का बदला भी लिया। हालांकि, शनिवार को तस्वीर बिल्कुल अलग थी। 28 वर्षीय बेनसिच बेहतरीन फॉर्म में इस मुकाबले में उतरी थीं और स्विट्जरलैंड के पहले तीन टाई में उनका रिकॉर्ड 6-0 का रहा।

लीओलिया जीनजीन, जैस्मिन पाओलिनी और सोलाना सिएरा के खिलाफ मुकाबलों में बेनसिच एक भी सेट हारने के करीब नहीं पहुंचीं और उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत स्विट्जरलैंड ने अंतिम चार में जगह बनाई।

सुबह की बजाय दोपहर में हार्ट सर्जरी के नतीजे अच्छे : स्टडी में खुलासा, रिस्क हो सकता है कम

नई दिल्ली। एक नई स्टडी के अनुसार, हार्ट सर्जरी का समय मरीज के रिकवरी और सर्वाइवल रेट को प्रभावित कर सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में 90,000 से अधिक हार्ट सर्जरी के डेटा का विश्लेषण किया और पाया कि सुबह 10 से 12 बजे के बीच की सर्जरी में हार्ट से जुड़ी मौत का खतरा सुबह जल्दी (7 से 10 बजे) की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक हो सकता है। स्टडी में यह भी सामने आया कि दोपहर या शाम की सर्जरी में मरीजों को कम जटिलताएं हुईं, जैसे कि हार्ट फेलियर या मायोकार्डियल इंफार्क्शन। शोधकर्ताओं का मानना है कि बॉडी क्लॉक (सर्कैडियन रिदम) और हार्ट टिशू की रिकवरी क्षमता समय के साथ बदलती है, जिससे दोपहर की सर्जरी ज्यादा सुरक्षित साबित हो सकती है। हालांकि, कुछ अन्य स्टडीज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

दोपहर के समय को इसलिए सही माना गया क्योंकि कुछ लोगों की बॉडी क्लॉक उन्हें सुबह जल्दी उठने वाला बनाती है और कुछ को रात में जागने वाला बनाती है।

इंग्लैंड, वेल्स और नॉर्दर्न आयरलैंड में 24,000 से ज्यादा मरीजों वाले राष्ट्रीय डेटासेट का आकलन कर नतीजे से रूबरू कराया।

हालांकि कॉम्प्लिकेशन रेट और दोबारा भर्ती होने पर दिन के समय का कोई असर नहीं पड़ा, फिर भी नतीजे हार्ट सर्जरी शेड्यूल करने के सबसे अच्छे समय के बारे में सवाल खड़े करते हैं।

जर्नल एनेस्थीसिया में छपी यह स्टडी पूरी सर्जरी पर बॉडी क्लॉक—हमारे सेल्स और अंगों में मौजूद 24 घंटे के बायोलॉजिकल साइकिल का एक सेट—के संभावित असर के बारे में भी एक जरूरी जानकारी देती है।

मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में क्लिनिकल सीनियर लेक्चरर और मुख्य लेखक डॉ. गैरेथ किचन ने कहा, "यह रिसर्च दिखाती है कि जब हार्ट सर्जरी सुबह देर से शुरू होती है, तो दिल से जुड़ी मौत का खतरा थोड़ा ज्यादा होता है। टाइमिंग से जुड़े नतीजों में छोटे-मोटे सुधार भी मरीजों के लिए काफी फायदेमंद हो सकते हैं।"

किचन ने कहा, "लोगों के बीच बॉडी क्लॉक बायोलॉजी कैसे अलग-अलग होती है, इसकी ज्यादा समझ के साथ मरीजों की व्यक्तिगत स्थिति और अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया जाना चाहिए।"

सुनील गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को भेंट किया बल्ले के आकार का गिटार

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक गिटार भेंट किया है। गिटार विशेष है और निश्चित रूप से इस उपहार को जेमिमा ताउम्र याद रखेंगी। सुनील गावस्कर ने शुक्रवार को जेमिमा रोड्रिग्स को बैट के आकार का गिटार उपहार में दिया। जब जेमिमा ने गिफ्ट खोला, तो वह बहुत खुश दिख रही थीं, वह बैट के आकार के गिटार की कारीगरी की तारीफ कर रही थीं। दोनों ने एक साथ 'ये दोस्ती' गाना गाया। गावस्कर द्वारा जेमिमा को बल्ले के आकार का गिटार दिए जाने का किस्सा महिला विश्व कप से जुड़ा हुआ है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार शतक लगाकर जेमिमा ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलायी थी। इस जीत के बाद गावस्कर ने उनसे कहा था कि अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है, तो वह उनके साथ गाना गाएंगे।

सुनील गावस्कर ने अपने उसी वादे को निभाया। जेमिमा ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह सुनील सर का इंतजार कर रही थीं कि वह अपनी बात मानें। अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक उन्होंने निराश नहीं किया। युवा क्रिकेटर ने गावस्कर से पूछा कि बल्ले के आकार का गिटार बजाने के लिए है या बल्लेबाजी के लिए। इस पर गावस्कर ने कहा कि वह दोनों कर सकती हैं।

साल के सबसे ठंडे 14 दिनों में कैसे रखें अपना ख्याल, जान लें ये जरूरी उपाय

नई दिल्ली। सर्दियों के महीनों में अपना विशेष ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों का। उत्तर भारत में जनवरी की शुरुआत से लेकर मध्य में सर्दी अक्सर अपने चरम पर होती है। इस दौरान वातावरण में कोहरा और शीतलहर का प्रकोप होता है। धूप बहुत कम निकल पाती है और आमतौर पर यह समय 14 दिन का होता है, जिसका जिक्र आयुर्वेद के अष्टांग हृदय में भी किया गया है। इस समय खुद को सर्दी से बचाना बहुत जरूरी होता है। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक, ये समय पौष के अंत और माघ की शुरुआत से मध्य तक होता है। इस समय सूर्य की शक्ति क्षीण हो जाती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर ही असर पड़ता है। सेहत के दृष्टिकोण से भी ये 14 दिन बहुत आवश्यक होते हैं, क्योंकि पाचन शक्ति दोगुनी तेजी से काम करती है। माना जाता है कि 14 दिन में खाया गया पौष्टिक आहार साल भर ऊर्जा देता है, लेकिन इसी के साथ शरीर में वात दोष की वृद्धि भी तेजी से होती है, जिससे शरीर में दर्द और जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में सर्दी से बचाने के लिए विशेष रूप से अपना ध्यान रखना जरूरी है।

14 दिन शरीर को गर्म रखना बहुत जरूरी है, इसलिए ऐसा आहार लें जिसकी तासीर गर्म हो। 14 दिन घी, तिल का तेल, मूंग दाल, उड़द दाल, गेहूं, बाजरा, ज्वार, गुड़, तिल और मूंगफली का सेवन करें। ये शरीर को गर्म रखने से लेकर बल भी प्रदान करते हैं।

दूसरा है अभ्यंग; रोजाना गुनगुने तेल से मालिश करें। इससे मांसपेशियों में जकड़न कम होती है और शरीर में रक्त का संचार भी ठीक रहता है। अभ्यंग से जोड़ों के दर्द में भी राहत मिलती है।

तीसरा, पूरे दिन गुनगुने पानी का सेवन करें और साथ ही दिन में एक बार काढ़े का सेवन जरूर करें, जिसमें अदरक, तुलसी, हल्दी, लौंग और काली मिर्च जैसी चीजें शामिल हों। ये सभी पाचन शक्ति को मजबूत बनाने में मदद करते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। चौथा, 14 दिन हल्की धूप लें। अलाव के पास बैठकर खुद को गर्म रखने की कोशिश करें। कानों और चेहरे को विशेषकर ढक कर रखें। ये शरीर का तापमान संतुलित बनाए रखने में मदद करेगा।

पांचवा, 14 दिन हल्का व्यायाम करना लाभकारी रहेगा। बढ़ती ठंड के साथ सांस लेने में परेशानी और सीने में भारीपन की शिकायत रहती है। ऐसे में श्वास से जुड़े योग और प्राणायाम जरूर करें। इससे शरीर के हर हिस्से तक सही तरीके से ऑक्सीजन का संचार होगा।

रस्साकशी: योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा खेल

जो लगातार 5 ओलंपिक गेम्स का हिस्सा रहा

नई दिल्ली। 'रस्साकशी' एक ऐसा पारंपरिक खेल है, जिसमें दो टीमें एक रस्सी के दो अलग-अलग छोर को पकड़कर खींचती हैं। इस खेल में निर्धारित रेखा के पार प्रतिद्वंद्वी टीम को खींचने वाली टीम विजेता होती है। यह खेल ताकत, संतुलन और सामूहिक समन्वय पर आधारित है। इस खेल की खासियत यह है कि इसमें महंगे उपकरण या किसी स्टेडियम की जरूरत नहीं होती। क्या आप जानते हैं कि यह ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा रहा है? रस्साकशी के खेल का इतिहास योद्धाओं के प्रशिक्षण से जुड़ा है। भले ही इसकी उत्पत्ति का कोई निश्चित समय या स्थान नहीं है, लेकिन इसके प्रमाण भारत समेत मिस्र, जापान, कोरिया, हवाई, ग्रीस और चीन में पाए गए हैं। कुछ संस्कृतियों में रस्साकशी सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि सामाजिक अनुष्ठानों का भी प्रतीक है। धीरे-धीरे यह खेल अन्य देशों में भी प्रचलित हुआ। 15वीं से 18वीं शताब्दी के बीच फ्रांस और ब्रिटेन में भी यह खेल काफी लोकप्रिय हुआ। 19वीं सदी के बीच यह नाविकों के बीच प्रचलित हुआ।

रस्साकशी का यह खेल 1900, 1904, 1908, 1912 और 1920 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का हिस्सा रहा। शुरुआती दो ओलंपिक में इस खेल के दौरान सिर्फ 5-6 सदस्य ही होते थे, जिनमें कोई भारवर्ग नहीं होता था।

शुरुआती ओलंपिक खेलों में कई टीमों में ऐसे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जो अन्य स्पर्धाओं में भी हिस्सा ले रहे थे। यही वजह रही कि 1900 के ओलंपिक में यूएसए को अपनी टीम वापस लेनी पड़ी, क्योंकि उसके तीन खिलाड़ी हैमर थ्रोइंग स्पर्धा में भाग ले रहे थे।

1908 ओलंपिक के दौरान इस खेल में विवाद तक हुआ, क्योंकि लिवरपुल पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने इतने बड़े और भारी जूते पहने थे कि उन्हें अपने पैर जमीन से भी उठाने में मुश्किल हो रही थी। लिवरपुल टीम ने दलील दी कि यह उनके तयशुदा पुलिस जूते हैं।

1900 में स्वीडन/डेनमार्क ने गोल्ड जीते, जिसके बाद साल 1904 में यूएसए ने गोल्ड अपने नाम किया। इसके बाद ग्रेट ब्रिटेन (1908), स्वीडन (1912) और फिर से ग्रेट ब्रिटेन (1920) ने गोल्ड पर कब्जा जमाया।

1920 के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने महसूस किया कि खेलों और प्रतिभागियों की संख्या बहुत अधिक थी। ऐसे में रस्साकशी समेत अन्य 33 खेलों को ओलंपिक से हटा दिया गया।

1958 तक ब्रिटेन में एमेच्योर एथलेटिक एसोसिएशन (एएएएस) रस्साकशी का आयोजन करवाता था, जिसके बाद 'टग ऑफ वॉर एसोसिएशन' की स्थापना हुई। साल 1960 में रस्साकशी अंतरराष्ट्रीय महासंघ (टीडब्ल्यूआईएफ) की स्थापना हुई। इस समय विश्व में टीडब्ल्यूआईएफ के 50 से ज्यादा सदस्य हैं। यह संघ लगातार इस कोशिश में है कि रस्साकशी के खेल को एक बार फिर ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया जाए।

आज के दौर में रस्साकशी के खेल में पुरुषों और महिलाओं के अलग-अलग मुकाबलों के साथ जूनियर टीमों के मुकाबले भी होते हैं। इसके अलावा, मिश्रित वर्ग भी शुरू किए गए हैं, जिसमें पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल होती हैं। ये मुकाबले मैट पर 'इनडोर' और घास पर 'आउटडोर' आयोजित किए जाते हैं।

खुशियां

ढोल की थाप पर बोलियां, गिद्दा संग नंदिनी लेडिस क्लब ने मनाई लोहड़ी की खुशियां

लोहड़ी पर्व आपसी प्रेम व भाईचारे का प्रतीक : संगीता गुप्ता

समर न्यूज़ | लुधियाना

नंदिनी लेडिस क्लब ने स्थानीय हंबडा रोड स्थित होटल डी3 में लोहड़ी सेलिब्रेशन का आयोजन किया। पंजाबी पहरावा लोहड़ी सेलिब्रेशन की थीम रही वही सजावट भी रंग-बिरंगी पतंगों के साथ की गई। ढोल की थाप, गिद्दा, बोलियां इस दौरान आकर्षण का केंद्र बना। इस दौरान जदो इह आंदी है लोहड़ी, बड़ा दिल लाउंदी है लोहड़ी गीत भी प्रस्तुत किया गया। गजक, मूंगफली, रेवड़ी इत्यादि बांटी गई। इसके अलावा हर मैंबर्स को रिटर्न गिफ्ट भी दिए गए। इस दौरान संगीता गुप्ता को नंदिनी लेडिस क्लब का नया अध्यक्ष नियुक्ति किया गया इसके साथ साथ उमा पुरी को उपाध्यक्ष,शीतल सूद को महासचिव,रचना चावला को कोषाध्यक्ष,अरूणा महिन्द्रा,शीतल लेखी व अणू सेठ को बोर्ड मैंबर,उर्मिल सूद,सुमन,मीनू गुप्ता व अंजू गुप्ता को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्ति किया गया । नवनियुक्ति अध्यक्ष संगीता गुप्ता ने सभी सदस्यों को भरोसा दिलाया कि वह सभी सदस्यों को साथ लेकर नंदिनी लेडिस क्लब की तरफ से किए जा रही गतिविधियों व समाजसेवा के कार्यो को सभी सदस्यों के सहयोग से जारी रखेगी। संगीता गुप्ता ने लोहड़ी पर्व की बधाई देते हुए कहा कि लोहड़ी पर्व आपसी प्रेम व भाईचारे का प्रतीक है। इसलिए सभी को मिल-जुलकर लोहड़ी पर्व मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नंदिनी लेडिस क्लब ने लोहड़ी सेलिब्रेशन करके नई पीढ़ी को हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोडऩे का एक प्रयास किया है ताकि नई पीढ़ी संस्कृति से जुड़ें, परंपरा को आगे बढ़ाएं। इस दौरान क्लब की पूर्व अध्यक्ष अनिता मल्होत्रा ने अपना रिपोर्टकार्ड पेश कर सभी सदस्यों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया वही नवनियुक्ति अध्यक्ष संगीता मल्होत्रा को बधाई देते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

लोहड़ी त्योहार पंजाब की समृद्ध विरासत को दर्शाता हैः दीवान

समर न्यूज़ | लुधियाना

जिला कांग्रेस कमेटी लुधियाना शहरी के पूर्व अध्यक्ष पवन दीवान ने स्थानीय सराभा नगर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लोहड़ी का त्योहार मनाया। इस अवसर पर पवन दीवान ने कहा कि ऐसे त्योहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। उन्होंने सभी साथियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं और परमात्मा से प्रार्थना की कि यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। इस मौके पर अन्य के अलावा पीसीसी सदस्य सुशील मल्होत्रा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इंद्रजीत कपूर, कुलबीर नीटा, जसविंदर सिंह ओसाहन, वरुण शर्मा, अमरिंदर जस्सोवाल, गगन बावा, गुरनाम सिंह कलेर, सुधीर स्याल, रमन शर्मा, संजीव बस्सी, संतोष गर्ग और अजय कुमार भी उपस्थित रहे।

मोहित सूद बने वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज़

समाज सेवा और राष्ट्रीय हित में काम करने वाले मोहित सूद को वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन का महामंत्री नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद मोहित सूद ने जहां पर संगठन का तह दिल से धन्यवाद किया तो वहीं उन्होंने बताया कि संगठन को एक नई ऊंचाई तक ले जाना उनका सपना है। उन्होंने बताया कि वह संगठन के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे और राष्ट्रवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचएंगे। उन्होंने बताया कि जिस सोच के साथ संगठन ने उनको यह जिम्मेदारी सौंपी है वह उसको पूरा करके दिखाएंगे। इसके लिए उन्होंने नियुक्ति के बाद पहले ही दिन से काम करना शुरू भी किया। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह रोमी ने कहा कि मोहित सूद का राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में दायित्व ग्रहण करना वंदे भारत राष्ट्रवादी संगठन के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि मोहित सूद का जीवन समाज सेवा और राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित रहा है। वहीं इस मौके पर राष्ट्रीय मुख्य महामंत्री विपिन चौधरी ने कहा कि मोहित और पंजाब के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में भी संगठन को मजबूत करेंगे, ऐसा उनका विश्वास है। उन्होंने बताया कि उनका अनुभव, दृढ़ राष्ट्रीय प्रेम संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देगा। मोहित सूद की नियुक्ति के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंजना त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय निर्माण केवल विचार से नहीं समर्पित काम से होता है। मोहित सूद की नियुक्ति के मौके पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव अमित यादव, आईटी सेल के सह संयोजक भूपेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, कपिल और रूपचंद नागर मौजूद रहे।

कनाडा भेजने के नाम पर दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज

दीपक कुमार | माछीवाड़ा साहिब
समर न्यूज़

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी के एक मामले में पंजाब पुलिस के एन आर आई विंग ने कानूनी कार्रवाई की है। इस संबंध में कनाडा में रह रहे पीड़ित रणजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री राज शाह, निवासी गांव लखोवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना की अर्जी पर दो भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रणजीत सिंह की ओर से एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, एन आर आई विंग फेज-7 एस ए एस नगर (मोहाली) को भेजी अर्जी में बताया गया कि मनप्रीत सिंह और जसप्रीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह, निवासी गांव जातीवाल ने उसे कनाडा भेजने के बहाने अलग-अलग तरीकों से 45 हजार कैनेडियन डॉलर (करीब 28.35 लाख रुपये) वसूल लिए। आरोप है कि 8 महीने का वर्क परमिट देकर बाकी रकम बढ़ा ली गई, लेकिन न तो कानूनी तौर पर काम दिया गया और न ही सैलरी दी गई। पीड़ित ने बताया कि ट्रक लाइसेंस और एल एम आई के नाम पर उससे और पैसे भी लिए गए, हालांकि मैंने उनके अकाउंट में $5000 जमा कर दिए और मनप्रीत सिंह और जसप्रीत सिंह को $20000 कैश दिए और दो महीने तक ट्रक चलाने के बावजूद कोई पेमेंट नहीं किया गया। मामले की जांच के बाद एन आर आई पुलिस स्टेशन, लुधियाना सिटी में सेक्शन 318(4), 61(2) बी एन एस 2023 और सेक्शन 24 इमिग्रेशन एक्ट 1983 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

करोड़ों की दुकानें बिकीं, दुकानदारों के हाथ खाली

▪ गलत नक्शों और फर्जी अप्रूवल की कीमत चुका रहे दुकानदार

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब मंडी बोर्ड द्वारा लुधियाना में करोड़ों रुपये की लागत से करीब 90 दुकानें ऑनलाइन नीलामी के जरिए बेच दी गईं। दुकानदारों को बाकायदा अलॉटमेंट लेटर भी थमा दिए गए, लेकिन हैरानी की बात यह है कि महीनों बीत जाने के बावजूद आज तक न तो उन्हें वैध कब्ज़ा मिल पाया है और न ही दुकानें सही ढंग से इस्तेमाल करने की स्थिति में हैं। पूरे मामले में लुधियाना मार्किट कमेटी और सिविल विंग की भारी लापरवाही सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक, मंडी बोर्ड ने मार्किट कमेटी और सिविल विंग की रिपोर्ट व अप्रूवल के आधार पर दुकानों की नीलामी करवाई। बाद में खुलासा हुआ कि जिन नक्शों के आधार पर दुकानें बनाई और बेची गईं, वे जमीनी हकीकत से बिल्कुल मेल नहीं खाते। कहीं दुकानों की जगह पर सरकारी पेट्रोल पंप की दीवार है, कहीं बिजली के पोल, तो कहीं फुटपाथ और अस्थायी फड़ियां लगी हुई हैं। कई जगह रास्ते गलत दिखाए गए हैं, जबकि पार्किंग, सीवरेज और फायर सेफ्टी जैसी बुनियादी सुविधाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया।

▪ मामला दबाने के लिए दिखावटी कार्रवाई...

अलॉटमेंट लेटर में साफ लिखा था कि 15 दिन के भीतर दुकानदार को कब्ज़ा दिया जाएगा। कुछ दुकानदारों को अगस्त और सितंबर में लेटर मिल गए, लेकिन इसके बावजूद नवंबर में सिर्फ दिखावे के लिए फुटपाथों, कब्ज़ों और बिजली पोल वाली जगहों पर निशानदेही कर दी गई। सूत्रों का कहना है कि यह सब पंजाब मंडी बोर्ड को गुमराह करने के लिए किया गया, ताकि यह दिखाया जा सके कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

▪ सिस्टम की गलती, सज़ा दुकानदारों को...

पीड़ित दुकानदार विकास गोयल विक्की, रोहित मालिक, मनोज कुमार मोनू, सुमेश कुमार रिंकू, गगनदीप सिंह अमन, रोबिन सिंह, हरजोत और किस्मत ने बताया कि मई 2025 में बोली प्रक्रिया पूरी होने के बाद जून 2025 में उन्होंने नियमों के अनुसार दुकान की कीमत का 25% जमा करवा दिया। बावजूद इसके न तो कब्ज़ा मिला और न ही बिजली-पानी जैसी मूल सुविधाएं। अब हालात यह हैं कि मार्च में दूसरी किश्त 12% ब्याज के साथ देनी होगी। कुछ दुकानदारों ने ब्याज में पैसे भी जमा कर दिए हैं, जबकि कई दुकानदारों ने बैंक लोन लेकर दुकानें खरीदी हैं और उनकी ईएमआई लगातार चल रही है। दुकानदारों का सवाल है कि जब गलती अधिकारियों की है, तो सज़ा वे क्यों भुगतें। दूसरी किश्तें रोकने के लिए कई बार मार्किट कमेटी को पत्र लिखे गए, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

▪ पीड़ित दुकानदार की पीड़ा...

एक दुकानदार ने कहा, हमने सरकारी मंडी बोर्ड पर भरोसा कर अपनी जिंदगी की कमाई लगा दी, लेकिन आज हालात यह हैं कि गलती अधिकारियों की है और दोषी हमें ठहराया जा रहा है।

▪ मंडी बोर्ड भी फंसा, जिम्मेदारी तय नहीं...

सूत्रों के मुताबिक, गलत नक्शों और अप्रूवल के चलते पंजाब मंडी बोर्ड भी अब कानूनी पचड़े में फंस सकता है। बावजूद इसके न तो लुधियाना मार्किट कमेटी के किसी अधिकारी पर कार्रवाई हुई है और न ही सिविल विंग के जिम्मेदार अफसरों से जवाब-तलब किया गया है। दोनों विभाग एक-दूसरे को पत्र भेजकर जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं।

▪ सरकार के राजस्व पर भी खतरा...

यदि यह मामला यूं ही लटका रहा, तो सरकार को भी करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो सकता है। साथ ही मंडी बोर्ड की साख पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

▪ दुकानदारों की मांग...

दुकानदारों ने मांग की है कि गलत नक्शों को मंजूरी देने वाले अधिकारियों की जांच हो जिम्मेदार अफसरों पर सख्त कार्रवाई की जाए। दुकानदारों को जल्द वैध कब्ज़ा और सभी बुनियादी सुविधाएं दी जाएं। हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाए।दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन और कानूनी कार्रवाई करेंगे।

क्या कहते हैं जिम्मेदार अधिकारी

किश्त रोकने पर अधिकारियों से बात करेंगे। सिविल विंग से नक्शे मंगवाए हैं। देखा जाएगा कि नीचे सीवरेज पाइप या बिजली की तारें तो नहीं हैं। साफ होते कुछ को निर्माण की अनुमति देंगे।

-गुरजीत गिल, चेयरमैन, सब्जी मंडी

कई दुकानों के नीचे स्टॉर्म सीवरेज है। बिजली पोल हटाने के लिए प्रस्ताव बनेगा। सभी समस्याओं को लेकर जल्द से जल्द हेड ऑफिस को पत्र भेजा जाएगा।

-हरिंदर गिल, सचिव, सब्जी मंडी

हम दुकानदारों के साथ हैं। जिन्हें समस्या है, वे मार्किट कमेटी को लिखित में दें। उनकी आवाज़ उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। दुकानदारों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

-गुरमतपाल सिंह, डीएमओ

श्रद्धा

गुरु साहिब की कुर्बानी की वजह से ही हम आनंद ले रहे : सीएम सैनी

सीएम ने माछीवाड़ा साहिब गुरुद्वारे में टेका माथा

दीपक कुमार | माछीवाड़ा साहिब
समर न्यूज़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य लोग। -समर न्यूज़

भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज खन्ना पुलिस जिला के समराला अनाज मंडी में एक रैली को संबोधित करने पहुंचे, जिसमें पंजाब में मनरेगा स्कीम की जगह एक नई स्कीम के बारे में जानकारी दी गई।

समराला रैली से पहले नायब सिंह सैनी ने माछीवाड़ा साहिब के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री चरण कंवल साहिब में माथा टेका। पत्रकारों से बात करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुओं की कुर्बानी बहुत बड़ी है, इसीलिए वह इस ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आए हैं। जिसके लिए उन्हें खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की कुर्बानी की वजह से ही हम इस जीवन का आनंद ले रहे हैं और हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलना चाहिए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर बोलते हुए सैनी ने कहा कि हमें गुरुओं के बलिदान से सीखना चाहिए और उनके बताए रास्ते पर चलकर एक अच्छा समाज बनाना चाहिए।

इस तरह से गुरुओं का अपमान करके हम अपनी मानसिकता साबित कर रहे हैं। उन्होंने आगे राजनीतिक मामलों पर बात करने से मना कर दिया और कहा कि वह सिर्फ गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आए हैं। इसलिए वह यहां किसी भी राजनीति पर बात नहीं करेंगे।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 128